श्रावण शुक्ल पक्ष -13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 50 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

25 अगस्त 2026 मंगलवार

आज का मौसम

29.3 अधिकतम

23.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला... नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज

स्कूल में यूनिफॉर्म जरूरी हिजाब की इजाजत नहीं

हिजाब को इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा मानने से इनकार

» कोर्ट ने कहा - यूनिफॉर्म से बनता है भेदभाव रहित माहौल

» ड्रेस कोड लागू करना स्कूल प्रशासन का अधिकार

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्कूलों में हिजाब पहनने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा - स्कूल में यूनिफॉर्म के नियम का पालन करना जरूरी है। इससे बच्चों में बराबरी की भावना रहती है। स्कूल की अपनी पहचान भी बनती है। हाईकोर्ट ने कहा, यूनिफॉर्म की बदौलत बिना किसी धार्मिक भेदभाव वाला माहौल बना रहता है। इसलिए कोई भी छात्र या छात्रा स्कूल के तय किए गए ड्रेस कोड को बदलने की जिद नहीं कर सकती। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की डिविजन बेंच ने इसके साथ ही नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज कर दी। इसमें स्कूल के तय ड्रेस कोड के साथ हिजाब पहनकर कक्षा में बैठने की अनुमति मांगी गई थी।

याचिका लगाने वाली छात्रा प्रयागराज के एक निजी स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ती है। अपनी मां के जरिए हाईकोर्ट में दायर याचिका में उसका तर्क था कि वह कक्षा 6 से 10 तक हिजाब पहनकर ही स्कूल में पढ़ाई करती रही है। कभी कोई आपत्ति नहीं जताई गई। छात्रा ने याचिका के साथ पुराने पहचान पत्र और स्कूल की ग्रुप फोटो भी लगाई थी। छात्रा ने कहा- वह 11वीं कक्षा में भी हिजाब पहनकर ही स्कूल जाना चाहती है, लेकिन परमिशन नहीं मिल रही। हमने डीएम से भी शिकायत की, जिस पर जिला शिक्षा विभाग ने रिपोर्ट मांगी। स्कूल प्रिंसिपल ने साफ किया कि यह शिक्षा संस्थान है, जहां सभी छात्रों के लिए एक समान ड्रेस कोड है। किसी एक छात्रा को अलग छूट देने से स्कूल की व्यवस्था प्रभावित होगी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि हिजाब पहनना उसकी धार्मिक मान्यता से जुड़ा है। ऐसे में स्कूल को निर्देश दिया जाए कि उसे हिजाब पहनने से न रोके। इस पर कोर्ट ने कहा- जब तक स्कूल का ड्रेस कोड सभी बच्चों के लिए एक जैसा है, सही मंशा से बनाया गया है और किसी के साथ भेदभाव नहीं करता, तब तक ड्रेस क्या होगी यह तय करने का पूरा हक सिर्फ स्कूल प्रशासन के पास है। अगर स्कूल ने पहले कभी हेडस्कार्फ (हिजाब) पहनने की छूट दी भी थी, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह छात्राओं का हमेशा के लिए पक्का अधिकार बन गया।

इससे धर्म खतरे में नहीं पड़ेगा...

कोर्ट ने कहा- जहां भी यह मुद्दा उठा है, हाईकोर्ट की राय एक रही है कि महिलाओं के लिए हिजाब पहनना इस्लाम का कोई जरूरी हिस्सा नहीं है। ऐसा नहीं है कि इसके बिना धर्म खतरे में पड़ जाएगा या इसे न पहनने पर महिला धर्म से बाहर हो जाएगी। इसे साबित करने के लिए कोई तथ्य या सबूत भी पेश नहीं किए गए हैं। कोर्ट ने कहा यह आस्था पर रोक नहीं, नियमों के पालन की उम्मीद की जा रही है। हाईकोर्ट ने केरल, बॉम्बे और कर्नाटक हाईकोर्ट के पुराने फैसले का जिक्र किया। 'फातिमा तस्नीम बनाम केरल राज्य' के मामले में कोर्ट ने कहा था कि एक तरफ छात्र या छात्रा का अपनी पसंद के कपड़े पहनने का अधिकार है, तो दूसरी तरफ स्कूल या संस्था का अपना नियम-कानून चलाने का अधिकार है। जब इन दोनों अधिकारों के बीच टकराव या विवाद होता है, तो व्यक्तिगत पसंद के बजाय संस्था के बड़े हित और अनुशासन को ज्यादा महत्व दिया जाएगा।

कर्नाटक से शुरू हुआ हिजाब विवाद

कर्नाटक में हिजाब विवाद जनवरी 2022 में उडुपी के एक सरकारी कॉलेज से शुरू हुआ। कुछ मुस्लिम छात्राओं ने हिजाब पहनकर कक्षा में बैठने की मांग की, इसके बाद विरोध दूसरे कॉलेजों तक पहुंचा और कुछ जगह भगवा शॉल पहनकर जवाबी प्रदर्शन हुए। 15 मार्च 2022 को कर्नाटक हाईकोर्ट ने छात्राओं की याचिका खारिज करते हुए कहा कि हिजाब इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं है और स्कूल के तय ड्रेस कोड का पालन कराया जा सकता है। इस विवाद पर 13 अक्टूबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच का फैसला एकमत नहीं था।

मनु, मनुवाद और बदलता समाज... इतिहास के आईने में सामाजिक बदलाव की पड़ताल

मनुस्मृति का नाम आते ही आज भारतीय राजनीति में दो बिल्कुल विपरीत तस्वीरें सामने आती हैं। एक तरफ उसे सनातन सामाजिक व्यवस्था का आधार बताने वाले लोग हैं और दूसरी तरफ उसे जातिवाद, सामाजिक असमानता और दलित विरोध का पर्याय बताने वाले लोग। दुर्भाग्य यह है कि इन दोनों अतियों के बीच मनु और मनुस्मृति का वास्तविक स्वरूप कहीं पीछे छूट जाता है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

सामाजिक चेतना की लंबी यात्रा | पहली कड़ी

मनु को समझने से पहले 'वर्ण' और 'जाति' के अंतर को समझना जरूरी है। आधुनिक भारत में जाति जन्म आधारित सामाजिक पहचान है, जबकि प्राचीन भारतीय चिंतन में वर्ण की अवधारणा को व्यापक रूप से व्यक्ति के गुण, कर्म, संस्कार और सामाजिक दायित्वों से जोड़कर देखा गया। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में ब्राह्मण को केवल जन्म से मिला हुआ पद मानना अधूरा है। ब्राह्मणत्व ज्ञान, विवेक, समाज को दिशा देने और लोकमंगल की जिम्मेदारी से भी जुड़ा हुआ है।

मनुस्मृति में समाज की तुलना शरीर से की गई है। ब्राह्मण को मुख, क्षत्रिय को बाहु, वैश्य को ऊरु और शूद्र को पाद से जोड़ा गया। आधुनिक नजरिए से इसे केवल ऊंच-नीच की सीढ़ी मान लेना आसान है, लेकिन शरीर की उपमा का दूसरा अर्थ भी है- शरीर का कोई भी अंग निरर्थक नहीं होता। मुख ज्ञान और दिशा का प्रतीक है। बाहु शक्ति और सुरक्षा का। उदर और ऊरु उत्पादन तथा जीवन-निर्वाह का। और पैर? वही पूरे शरीर को चलाते हैं। पैर शरीर का सबसे निचला हिस्सा जरूर हैं, लेकिन क्या वे सबसे कम महत्वपूर्ण हैं? शरीर के पैर जवाब दे दें तो मुख की बुद्धि, बाहुओं की ताकत और उदर की संपन्नता किसी काम की नहीं रहती। इस दृष्टि से पाद को शूद्र से जोड़ना और केवल 'नीच' बताने का अर्थ निकालना शायद उस प्रतीक की एकांगी व्याख्या होगी। श्रम समाज की गति है।

भारतीय परंपरा में वाल्मीकि और व्यास जैसे नाम इस बहस को और जटिल बनाते हैं। वाल्मीकि को आदिकवि का सम्मान मिला और रामायण भारतीय सभ्यता की आत्मा का हिस्सा बनी। व्यास को महाभारत तथा व्यापक पुराण-परंपरा में असाधारण स्थान मिला। ज्ञान और रचना की प्रतिष्ठा को केवल आधुनिक जातिगत खांचों से समझना इसलिए संभव नहीं। यहां एक बात स्पष्ट करनी जरूरी है। मनुस्मृति में वर्णों के अधिकार, कर्तव्य और सामाजिक स्थिति के बीच अंतर के ऐसे प्रावधान भी हैं जिन्हें आधुनिक लोकतांत्रिक समानता स्वीकार नहीं करती। इसलिए मनुस्मृति के हर प्रावधान को आज भी आदर्श मानना उतना ही गलत होगा जितना पूरे ग्रंथ को 'दलित विरोधी घोषणापत्र' घोषित कर देना।

मनु को समझने के लिए इतिहास और वर्तमान के बीच अंतर करना होगा। आज भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता देता है। जन्म के आधार पर किसी को ऊंचा या नीचा मानना संविधान सम्मत नहीं है। इसलिए आधुनिक भारत में किसी भी प्रकार का जन्माधारित भेदभाव स्वीकार्य नहीं हो सकता। लेकिन यदि इतिहास में किसी व्यवस्था के नाम पर बाद में विकृतियां पैदा हुईं तो उसका पूरा दोष मूल विचार पर डाल देना भी इतिहास की निष्पक्षता नहीं है।

मनु को पढ़ने की जरूरत है-मनुवाद का राजनीतिक नारा बनाने की नहीं। -जारी..

न्यूज विंडो

महाराष्ट्र: आश्रम में तेज बुखार से 7 साल के बच्चे की मौत, 26 छात्र भर्ती

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक आश्रम स्कूल में 7 साल के छात्र की तेज बुखार और सांस लेने में परेशानी के बाद मौत हो गई। 26 अन्य छात्रों को अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा है। बच्चे को 22 अगस्त को तेज बुखार के बाद स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था। सोमवार को तबीयत बिगड़ने और ऑक्सीजन स्तर गिरने पर उसे अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगी। स्कूल में 395 बच्चे हॉस्टल में रहते हैं। प्रशासन ने परिसर की सफाई और पानी की जांच शुरू कर दी है।

छात्रों का हल्लाबोल: गांधी मैदान से राजभवन कूच, बैरिकेडिंग तोड़ी

पटना। 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आज पटना में छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया। गांधी मैदान से राजभवन की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में लगी पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी। छात्र प्रतिबंधित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी।

बस में आग, खिड़की तोड़कर बाहर निकले यात्री, सामान खाक

धार। धार जिले के सरदारपुर में देर रात सूरत से कानपुर जा रही यात्री बस में अचानक आग लग गई। भोपावर चौकी के पास रात करीब 1 बजे बस से धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में आग पूरे वाहन में फैल गई। बस गुजरात के सूरत और आसपास के शहरों से यात्रियों को लेकर उत्तर प्रदेश के कानपुर जा रही थी। भोपावर चौकी के पास बस के अंदर अचानक धुआं भरने लगा। यात्रियों को कुछ समझ आता, इससे पहले आग तेजी से फैल गई। आग से लोगों के कैश-जेवर और कपड़े भी जलकर खाक हो गए।

आज का कार्टून

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा कुबेरेश्वर धाम

सीहोर में 11 किमी लंबी कांवड़ यात्रा शुरू

सीहोर। यहां आज सुबह 9 बजे सीवन नदी के तट से कुबेरेश्वर धाम तक 11 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा शुरू हुई। इसमें महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए हैं। यात्रा में कांवड़िये हर-हर महादेव के जयकारों के साथ कुबेरेश्वर धाम की ओर बढ़ रहे हैं। पूजन-अर्चन के बाद कांवड़िये सीवन नदी के जल से भगवान कुबेरेश्वर महादेव का अभिषेक करेंगे।

श्रद्धालु को पड़ा दिल का दौरा डॉक्टर ने कंधे पर बैठाकर एंबुलेंस तक पहुंचाया

यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के जलगांव से आए एक श्रद्धालु को मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते पर अचानक दिल का दौरा पड़ गया। लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण हाईवे पर करीब 100 मीटर दूर खड़ी एंबुलेंस भी मरीज तक नहीं पहुंच सकी। करीब आधे घंटे तक एंबुलेंस के नहीं पहुंच पाने पर मौके पर मौजूद डॉक्टर ने मरीज को अपने कंधे पर उठाया। पैदल चलकर हाईवे तक ले गए। इसके बाद उसे एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

हाईकोर्ट का फैसला

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड की रिपोर्ट सार्वजनिक करने पर कोर्ट की रोक

इंदौर। भागीरथपुरा में गत दिसंबर-जनवरी माह में दूषित पानी पीने से हुई 36 मौतों के मामले में आज हाई कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने भागीरथपुरा दूषित पानी कांड की रिपोर्ट के सार्वजनिक करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा सिर्फ वो ही वकील रिपोर्ट देख सकेंगे जिनका वकालतनामा मामले में पेश है। कोर्ट ने वकीलों को भी इस बात की हिदायत दी है कि रिपोर्ट को लेकर मीडिया में चर्चा न करें।

कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया था। आयोग ने अपनी जांच पूरी कर हाल ही में 500 पेज से अधिक की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में हाई कोर्ट में प्रस्तुत कर दी है।

राम रहीम ने साल की आखिरी फरलो भी ली, 21 दिन के लिए आया जेल से बाहर

रोहतक। रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहा राम रहीम आज सुबह 17वीं बार 21 दिन की फरलो पर बाहर आ गया। यह उसकी साल की आखिरी फरलो है। सुबह छह बजे टोयोटा लैंड क्रूजर में हनीप्रीत व अन्य के साथ सिरसा के लिए रवाना हुआ। पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने 2017 में साध्वी यौन उत्पीड़न केस में राम रहीम को दोषी माना था। तभी से वह सुनारिया जेल में बंद है।

दिल्ली में लगातार दूसरे दिन तेज बारिश, गुरुग्राम में वर्क-फ्रॉम-होम

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ, एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर में आज लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हो रही है। एम्स फ्लाईओवर, कनॉट प्लेस, आईटीओ और आरके पुरम समेत कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाले एनएच-48 पर महिपालपुर के पास ट्रैफिक जाम लगा। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। सोमवार को करीब 390 फ्लाइट्स लेट हुईं, 15 डायवर्ट और 26 कैंसिल की गईं। गुरुग्राम में कई जगह 3 फीट तक पानी भरने के बाद मंगलवार को सरकारी दफ्तरों और स्कूलों में वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया। सोमवार को पानी में स्कूल बसें फंस गई थीं। मध्य प्रदेश के भोपाल समेत कई जिलों में भी तेज बारिश हुई। विदिशा के बाजार में पानी भर गया और भोपाल में ट्रैफिक प्रभावित हुआ।

हिंदू संगठन नाराज

भोजशाला विवाद पर आज धार बंद, बाजारों में आवाजाही थमी

धार। भोजशाला मामले को लेकर हिंदू समाज के आह्वान पर आज आधे दिन के लिए धार जिले में बंद रखा गया है। सुबह से ही शहर के प्रमुख बाजारों और व्यापारिक क्षेत्रों में अधिकांश दुकानें बंद रहीं। इससे सामान्य दिनों की तुलना में बाजारों में सन्नाटा नजर आया। बंद को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। हिंदू समाज का कहना है कि भोजशाला मामले में हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद प्रशासन की ओर से अपेक्षित तरीके से पालन नहीं कराया जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर समाज ने बंद का आह्वान किया था। संगठनों ने व्यापारियों और आम लोगों से इसमें सहयोग करने की अपील की थी।

बेंजामिन नेतन्याहू बोले-

मेरे परिवार को ईरान ने निशाना बनाया, बेटे को मारने की कोशिश

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ने उनके परिवार को निशाना बनाया और उनके दो बेटों में से एक की हत्या की कोशिश की थी। उन्होंने यह बात सरकार समर्थक चैनल 14 को फोन पर दिए इंटरव्यू में कही।

नेतन्याहू चुनाव से पहले अपने परिवार और दूसरे राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था पर बात कर रहे थे। नेतन्याहू ने कहा, उन्हें दी जा रही सुरक्षा कोई ऐशोआराम नहीं है। नेतन्याहू के दो बेटे याइर और अवनर हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके दोनों बेटों में से किसे निशाना बनाया गया था। हत्या की कोशिश कब और कैसे की गई। याइर, बेंजामिन नेतन्याहू के बड़े बेटे हैं। वे सरकार या संसद में कोई पद नहीं संभालते, लेकिन सोशल मीडिया पर अपनी राजनीतिक राय और दक्षिणपंथी विचारों के लिए चर्चा में रहते हैं। विवाद तब बढ़ा, जब विदेश में रहने के बावजूद याइर को इजराइली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के सुरक्षाकर्मियों की सुरक्षा मिलती रही। आलोचकों ने सवाल उठाया कि एक वयस्क व्यक्ति के विदेश में रहने पर उसकी सुरक्षा का खर्च इजराइली सरकार क्यों उठा रही है।

क्राइम ब्रांच ने दबोचा

30 लाख की ड्रग्स की तस्करी कर रही पूर्व एयर होस्टेस गिरफ्तार

सूरत, एजेंसी। मुंबई की रहने वाली एक पूर्व एयर होस्टेस को ड्रग्स तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूरत क्राइम ब्रांच को उसके पास से 977 ग्राम ड्रग्स मिली है। जिसकी कीमत लगभग 30 लाख रुपए बताई जा रही है। एयर होस्टेस की पहचान मानसी सैयद के रूप में हुई है। मानसी को पहले भी ड्रग्स नेटवर्क में गिरफ्तार किया जा चुका है। मानसी का दोस्त सोहेल सुलेमान शेख भी दबोचा गया है। इनकी योजना ड्रग्स को मुंबई ले जाने की थी, जहां इसे लोगों को बेचा जाना था।

पानी समझ पीया टायलेट क्लीनर, रिटायर्ड डीएसपी की पत्नी की मौत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित छत्रसाल नगर फेस वन में रहने वाले रिटायर्ड डीएसपी एमजी जाधव की पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह उन्होंने टायलेट क्लीनर पी लिया था। पति उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि पानी समझकर उन्होंने गलती से टायलेट क्लीनर पी लिया था। पुलिस के अनुसार शालिनी जाधव पति एमजी जाधव (74) गृहणी थीं, जबकि पति एमजी जाधव पुलिस विभाग से रिटायर्ड थे। वह भोपाल में डीएसपी रह चुके हैं।

शराब के कारण पत्नी से विवाद के बाद पति ने लगाई फांसी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र के कृषक नगर में रविवार रात पत्नी से हुई कहासुनी के बाद पति ने फांसी लगा ली। उसने आत्महत्या से पहले खुद को कमरे में बंद कर लिया था। पत्नी से प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि शराब पीने की लत के कारण उनका आपस में विवाद होता था। पुलिस के अनुसार विनोद कुशवाहा (55) लोडिंग ऑटो चलाता था। परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि एक बेटा है। शराब के नशे में वह अक्सर पत्नी से विवाद करता था। रविवार रात 9 बजे शराब पीकर घर आया। इसी बात पर विवाद हो गया। वह कमरे में गया और दरवाजा बंद कर लिया। पत्नी ने आवाज दी, पर जवाब नहीं मिला। आसपास के लोगों ने दरवाजा तोड़ा वह फंदे पर मिला।

रसोई गैस उपभोक्ता अब 31 अगस्त तक करा सकेंगे ई-केवाईसी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रसोई गैस उपभोक्ता अब 31 अगस्त तक ई-केवाईसी करवा सकेंगे। कंपनियों ने ई-केवाईसी करवाने की तारीख बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी है। पहले ई-केवाईसी करवाने की अंतिम तारीख 16 अगस्त तय की गई थी। इसके बाद इसे बढ़ाकर 23 अगस्त किया गया था, जो रविवार को समाप्त हो गई। अब एक बार फिर तारीख बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है। रसोई गैस उपभोक्ताओं को कंपनियों ने 31 अगस्त तक ई-केवाईसी करवाने का अंतिम अवसर दिया है। भोपाल गैस डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आरके गुप्ता ने बताया कि 31 अगस्त तक उपभोक्ता संबंधित गैस एजेंसियों पर जाकर ई-केवाईसी करवा सकते हैं। साथ ही ऐप के माध्यम से भी ई-केवाईसी की जा सकती है।

पुराने भोपाल में रहना ही नहीं, निकलना भी मुहाल...पानी, कीचड़, गड्ढों में सड़कें

यह कोई नाला नहीं, भोपाल से विदिशा रोड पर छोला इलाके की प्रमुख सड़क है

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बारिश थमने के बाद पुराने भोपाल की सड़कों पर हालात बदतर नजर आ रहे हैं। भोपाल टॉकीज से बैरागढ़ ही नहीं, बैरसिया रोड तक कई इलाकों में सड़कें पानी, कीचड़ व गड्ढों में तब्दील हैं। छोला क्षेत्र की प्रमुख सड़क की तस्वीर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि सड़क और जल निकासी व्यवस्था किस हालत में है। सड़क पर इतना पानी भर गया कि वाहन चालकों और पैदल निकलने वालों के लिए सड़क व नाले में फर्क करना मुश्किल है। पुराने शहर में बारिश के बाद जगह-जगह जलभराव ने नगर निगम के उन दावों की भी पोल खोल दी है, जिनमें बेहतर ड्रेनेज और बारिश के पानी की निकासी के दावे किए जाते रहे हैं। छोला क्षेत्र से लेकर भोपाल टॉकीज, बरसैया रोड और आसपास के इलाकों में लोगों को रोज परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत योजना से चल रही सीवर लाइन की खुदाई ने भी कई सड़कों की हालत खराब कर दी है। बेस्ट प्राइस, पीपुल्स मॉल से यूनियन कार्बाइड रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर अधूरे काम और टूटी सड़कों के कारण आवागमन मुश्किल हो गया है। अयोध्या बायपास भी जगह-जगह खुदाई परेशानी का सबब बना हुआ है। भानपुर के आगे रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण चल रहा है। इससे सड़कों पर ट्रैफिक दबाव बढ़ गया है। वहीं भोपाल टॉकीज से बरसिया रोड की ओर मेट्रो निर्माण के कारण पहले से बदहाल सड़कों पर जाम की स्थिति बन रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है, विकास कार्य जरूरी हैं, पर निर्माण एजेंसियों को तय करना चाहिए कि काम के दौरान सड़कें चलने लायक रहें और बारिश का पानी निकालने की व्यवस्था हो। अभी पुराने भोपाल में घर से निकलना भी चुनौती बन गया है।

निशातपुरा आरओबी के पास त्रिवेणी हाइट्स के सामने हादसा, चार लोग बाल-बाल बचे

5 साल में 7वीं बार..मेट्रो पिलर से 1.5 क्विंटल की प्लेट गिरी, बचे ऑटो सवार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मेट्रो के निर्माण के दौरान भारी सामान उठाने और पिलर पर चढ़ाने के दौरान लगातार बरती जा रही लापरवाही से चार लोगों की जान बाल-बाल बची। सोमवार को निशातपुर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के पास त्रिवेणी हाइट्स कॉलोनी के सामने मेट्रो पिलर पर चढ़ाई जा रही करीब एक से डेढ़ क्विंटल वजनी सेटिंग प्लेट क्रेन के हुक से निकलकर सड़क पर आ गिरी। यह ऑटो के ठीक सामने गिरी। ऑटो में ड्राइवर समेत चार लोग थे। प्लेट कुछ सेकेंड पहले या कुछ फीट इधर-उधर गिरती तो कई लोगों की जान जा सकती थी।

करीब डेढ़ टन वजनी प्लेट गिरते ही सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। ऑटो में सवार लोग उतरकर चले गए। आसपास मौजूद लोगों ने ऑटो चालक को संभाला। घटना के बाद वहां भीड़ जुटी तो मेट्रो कर्मचारियों ने आनन-फानन में भारी प्लेट को उठाकर बैरिकेडिंग के अंदर कर दिया। इस साल यह दूसरी लापरवाही है, जबकि 5 साल में सातवीं बार ऐसी घटना हुई। लोग बाल-बाल बचे।

इन नियमों की अनदेखी

- लिफ्टिंग जोन को खाली रखना, लेकिन भारी प्लेट या सामग्री को क्रेन से उठाते समय भी ट्रैफिक चलता रहता है।
- स्लिंग और लॉक की जांच करनी है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा वर्ना करोंद पर हादसा नहीं होता।
- बैरिकेडिंग चारों तरफ करने का नियम है, लेकिन पिलर के चारों ओर बैरिकेड लगाकर खानापूर्ति की।
- वर्क परमिट-सेफ्टी चेक करने का नियम है, लेकिन भारी सामग्री की लिफ्टिंग से जुड़े जोखिम वाले काम में पहले से निगरानी नहीं की जा रही।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

- **सितंबर 2021 :** सुभाष नगर फाटक के पास लोहे का भारी उपकरण गिरा। युवक की मौत।
- **नवंबर 2025 :** एमपी नगर क्षेत्र में मेट्रो की निर्माण सामग्री सड़क से गुजर रही कार के ऊपर गिरी थी।
- **जून 2026 :** करोंद चौराहे पर मेट्रो पिलर का स्टील फ्रेम 11 केवी बिजली लाइन पर झुक गया था। हालांकि जनहानि नहीं हुई थी।
- **जून 2026 :** करोंद आरओबी के पास प्रॉमिस हॉस्पिटल के पास पिलर के लिए की खुदाई के कारण ट्रक पलट गया था। इससे कई घंटों तक जाम लगा रहा।
- **जून 2026 :** निशातपुरा आरओबी के पास गहरी खुदाई में जमीन धंसने से ट्रक पलट गया। हालांकि, कोई जनहानि नहीं हुई।
- **अगस्त 2026 :** डीआईजी बंगला आरिफ नगर में सीएनजी पंप के सामने बन रहे मेट्रो स्टेशन की एक भारी चीज नीचे जा रही कार पर आ गिरी। जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी।

एसडीएम बोले-मामले की जांच कराएंगे

गोविंदपुरा एसडीएम आशुतोष शर्मा का कहना है कि मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत शहर में जिन क्षेत्रों में काम चल रहा है, वहां सुरक्षा के इंतजाम करने के मेट्रो के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर के स्पष्ट निर्देश हैं कि सुरक्षा के इंतजाम में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। जिससे कोई अप्रिय घटना न हो। करोंद क्षेत्र में मेट्रो के काम के दौरान लोहे की प्लेट गिरी है, इसकी जांच करवाई जाएगी। लापरवाही कैसे हुई सुरक्षा के इंतजाम में क्या कमी रह गई। इस तरह का हादसा न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए जाएंगे।

एसडीएम बोले-मामले की जांच कराएंगे

प्रत्यक्षदर्शी अशोक कुमार पास ही दुकान चलाते हैं। उन्होंने कहा, मेट्रो का काम चल रहा था। क्रेन से बड़ी प्लेट ऊपर से नीचे गिरे। तभी ऑटो रुका। चालक व बैठे 3 लोग बदहवास होकर ऑटो से भागे। मामले में मेट्रो पीआरओ धीरज शुक्ला से बात करने की कोशिश की, पर उपलब्ध नहीं हो सके।

ट्रिब्यूनल ने जांच को बनाई समिति

आईएसबीटी नाले पर बन रहे पेट्रोल पंप पर एनजीटी सख्त

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अंतरराज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी) के नाले के पास प्रस्तावित पेट्रोल पंप के निर्माण को लेकर एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने सख्ती दिखाई है। एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच ने इसे पर्यावरण से जुड़ा गंभीर मामला माना और जांच के लिए संयुक्त समिति बना दी। इसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) और कलेक्टर को शामिल किया गया है। समिति चार हफ्ते में रिपोर्ट देगी। अब 13 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

एनजीटी ने प्रदेश सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। एमपीपीसीबी को समिति की नोडल एजेंसी बनाया गया है। बोर्ड समिति को समन्वय और जरूरी लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराएगा। समिति स्थल का निरीक्षण कर जांच करेगी कि प्रस्तावित पेट्रोल पंप नाले से कितनी दूरी पर है। बफर जोन का पालन हो रहा है या नहीं और निर्माण में पर्यावरणीय एवं भूमि विकास संबंधी नियमों का पालन किया गया है या नहीं। इसकी जांच की जाएगी।

दलील..नाले के बफर में हो रहा है पेट्रोल पंप का निर्माण

नगर निगम के जोन-12 के वार्ड 58 में आईएसबीटी के नाले के पास पेट्रोल पंप प्रस्तावित है। याचिकाकर्ता ने एनजीटी में दलील दी कि पंप प्राकृतिक नाले व इकोलॉजिकल बफर जोन के अंदर पंप बनाया जा रहा है। याचिका में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 7 जनवरी 2020 के दिशा-निर्देश, 16 अगस्त 2021 के पत्र का हवाला देते हुए कहा, जलस्रोत, नाले, नहर, वेटलैंड से 50 मीटर के दायरे में पंप नहीं बन सकता। इससे नाले को नुकसान हो सकता है। याचिकाकर्ता के मुताबिक पंप की चौड़ाई 23 मीटर है। ऐसे में नाले से 50 मीटर दूरी बनाए रखना भौगोलिक व गणितीय रूप से संभव नहीं है।

इधर-बड़े तालाब से लगी जमीन पर प्रशासन द्वारा बुलडोजर से की जा रही बेदखली की कार्रवाई को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता प्रेमपुरा के निसार खान, मोहसिन और एजाज मामले को एनजीटी में पेश करने के निर्देश को दिए हैं।

प्रतिभा स्थली की बहनों ने की आचार्य श्री की आराधना, 30 को देशभर के युवा जुटेंगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आचार्य समय सागर महाराज के वर्षा योग में तप त्याग संयम की साधना के दौरान रोजाना कई लोग दर्शन कर रहे हैं। संस्कृति-संस्कारों की शिक्षा दे रहीं प्रतिभा स्थली की बहनों ने आचार्य श्री के दर्शन कर मंगल आरती की। चातुर्मास समिति अध्यक्ष पंकज जैन मुख्य संयोजक मनोज बांगा ने बताया, जबलपुर, ललितपुर, डोंगरगढ़, इंदौर समेत कई शहरों में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की प्रेरणा से प्रतिभा स्त्री का आयोजन हो रहा है। इसमें लौकिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति-संस्कारों को आत्मसात करने आध्यात्मिक शिक्षा का आयोजन किया जा रहा है। 30 अगस्त को आचार्य समय सागर महाराज के सानिध्य में कई शहरों से युवा समागम में भाग लेंगे

आते-जाते ई-रिक्शा रोककर भी की तोड़फोड़

टेंट कारोबारी से 4 गुंडों ने मांगे 5 हजार मना करते ही पीटा, कार का कांच तोड़ा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नया बसेरा में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात निगरानी बदमाश गट्टू पिस्टल ने साथियों के साथ खूब गदर मचाया। अलग-अलग बाइक और चौराहे पर वाहन खड़ा करने के बदमाशों ने टेंट कारोबारी को बुलाया और मारपीट की। जान बचाकर भागे टेंट कारोबारी की कार, महिला की कार में तोड़फोड़ की। पास खड़े ई-रिक्शा में को भी पलट दिया। गुजर रहे ई-रिक्शे रोके और तोड़फोड़ की है। पुलिस ने निगरानी बदमाश सहित चार नामजदों पर केस दर्ज किया है।

उनकी पहचान की जा रही है। नरेंद्र अहिरवार (35) बी-135 कॉम्प्लेक्स के सामने नया बसेरा में रहते हैं। वह घर के सामने ही टेंट हाउस चलाते हैं। रात 11 बजे टेंट हाउस बंद कर वे अंदर चले गए। पौने 1 बजे उन्हें बाहर बुलाया। 5 हजार रुपए मांगे। इनकार पर गट्टू पिस्टल ने साथी उमेश तिलवारी, मोनू काला, समीर के साथ मिलकर मारपीट की।

नील सरोवर में बाबा बटेश्वर का नौका विहार

भोपाल। श्रीबड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति ने सावन के आखिरी सोमवार पर गर्भ ग्रह को नील सरोवर का स्वरूप देकर बाबा बटेश्वर और मां पार्वती को नौका विहार कराया। समिति के संजय अग्रवाल व प्रमोद नेमा ने बताया सुबह से ही श्रद्धालुओं बाबा का रूद्राभिषेक किया। इस दौरान चेतन भार्गव भी मौजूद थे।

फोटोग्राफी दिवस पर माखनलाल विवि में प्रदर्शनी

फोटोग्राफी सिर्फ तस्वीर खींचने की कला नहीं, यह अभिव्यक्ति की झलक

फोटोग्राफी प्रदर्शनी के दौरान विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी और एचओडी डॉ. श्रीवास्तव।

भोपाल। दोपहर मेट्रो

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में विश्व फोटोग्राफी दिवस पर विशेष फोटोग्राफी प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी सिनेमा अध्ययन विभाग के विद्यार्थी आदित्य चौरसिया ने लगाई। शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने किया। इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. पवित्र श्रीवास्तव समेत शिक्षक, विद्यार्थी और फोटोग्राफी से जुड़े लोग उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के जरिए फोटोग्राफी को सिर्फ तस्वीर खींचने की कला के रूप में नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति, विकास और जनजीवन को देखने, समझने और प्रस्तुत करने प्रभावी माध्यम के रूप में सामने रखा गया। तस्वीरों से यह बताने का प्रयास किया गया कि देश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर प्रतिवर्ष करोड़ों लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इतनी बड़ी संख्या में आने वालों के लिए सरकार सुविधाएं उपलब्ध कराने, व्यवस्थाएं बनाए रखने के लिए किस तरह प्रयास करती है। इस दौरान फोटोग्राफी की गुणवत्ता, आधुनिक तकनीक, विजुअल स्टोरी टेलिंग और फिल्म मेकिंग जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान 'लुमिक्स' ने वर्कशॉप का भी आयोजन किया।

मेट्रो एंकर क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक बोले-यह नियोजित प्लान न होने का नतीजा, सोचे सरकार

पूरे प्रदेश में व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क बंद, लेकिन भोपाल में वसूली कर रहा नगर निगम, आक्रोशित व्यापारियों ने सड़क पर किया प्रदर्शन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेशभर के नगर निगमों में व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क की वसूली बंद है, लेकिन राजधानी भोपाल में नगर निगम इसकी वसूली कर रहा है। इससे व्यापारी वर्ग खासा परेशान हैं। इस शुल्क की वसूली के विरोध में भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष गोविंद गोयल और चेंबर के पदाधिकारियों के नेतृत्व में नगर निगम परिषद परिसर में प्रदर्शन किया गया। इसमें व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल हुए। चेंबर की कार्यकारिणी में हाल ही में शामिल

क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक व सचिव सुनील गुप्ता, कोषाध्यक्ष संजीव ठाकुर, उपाध्यक्ष अजय शर्मा, यूथ विंग के अध्यक्ष आकाश क्षिंगन भी इसमें शामिल हुए। मीक ने कहा, ये प्रदर्शन शहर में गहराते नियोजन और प्रशासनिक विश्वास संकट के संकेत हैं।

फेल नियोजन का परिणाम

मनोज मीक ने कहा,राजधानी 21 वर्षों से नये मास्टर प्लान और जोनल प्लान के बिना चल रही है। वैध व्यावसायिक भूमि और नियोजित बाजारों के पर्याप्त विकल्प नहीं बने, लेकिन आजीविका पर दंडात्मक कार्रवाई और भोपाल-विशेष शुल्क का बोझ डाला जा रहा है। रहवासियों का शांत, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण पाने का अधिकार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह व्यापारी बनाम रहवासी का संघर्ष नहीं, नियोजन फेल होने का परिणाम है। समाधान चौड़ी सड़क, वहन-क्षमता, पार्किंग, अग्नि-सुरक्षा पर आधारित वैज्ञानिक मिश्रित भू-उपयोग नीति में है।

संवेदनहीन निर्णय से जनता में भरोसा कमजोर

मीक ने कहा कि डेवलपर्स भी मरम्मत शुल्क, असंगत संपत्ति-कर निर्धारण और विकास और भवन अनुज्ञाओं की जटिल एवं विलंबित प्रक्रियाओं से जूझ रहे हैं। देशभर में विभिन्न वर्गों के बढ़ते धरने-प्रदर्शन बताते हैं कि असंगत नियम, संवादहीन निर्णय और प्रशासनिक अनिश्चितता जनता का भरोसा कमजोर करते हैं। क्रेडाई ने परिषद के निर्णय का स्वागत करते हुए राज्य शासन से प्रस्ताव को तत्काल स्वीकृति देने और तब तक शुल्क-वसूली स्थगित रखने का आग्रह किया। साथ ही समयबद्ध मास्टर एवं जोनल प्लान, के अनुरूप व्यावहारिक व्यवस्था तथा उच्चस्तरीय समिति में व्यापारी, रहवासी, डेवलपर और शहरी विशेषज्ञों को प्रतिनिधित्व देकर 30 दिनों में स्थायी समाधान प्रस्तुत करने की मांग की। बता दें, शहर का मास्टर प्लान न होने से अव्यवस्थित विकास से लोग परेशान हैं। रहवासी और व्यावसायी संगठन दोनों ही दिक्कत में हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद नगर निगम ने आवासीय क्षेत्रों में कमर्शियल एक्टिविटी करने वालों को नोटिस थमा रहा है।

मप्र अजब है, और यहां जुगाड़ भी गजब है

घर की छत के बीचों-बीच गाड़ दिया बिजली का पोल, सिर के ऊपर दौड़ रही 11केवी की लाइन

शहडोल, दोपहर मेट्रो

सचमुच एमपी अजब है, गजब है और अब तो जुगाड़ू भी है। शहडोल के पपौंध इलाके से सामने आई तस्वीर देखकर आप भी हैरान रह जाएंगे। यहां बिजली का पोल सड़क किनारे या खेत में नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के घर की छत के बीचों-बीच गाड़ दिया गया है। ऊपर से इसी पोल के सहारे गुजर रही है 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन, यानी जिस छत पर परिवार का रहना-जाना है, उसी के ऊपर मौत का करंट दौड़ रहा है। छत के ऊपर से हाईटेंशन लाइन ले जाने के इस 'खतरनाक जुगाड़' का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इंटरनेट पर लोग वीडियो देखकर हैरान हैं और तंज कसते हुए कह रहे हैं कि सचमुच एमपी अजब है, गजब है और जुगाड़ू भी है।

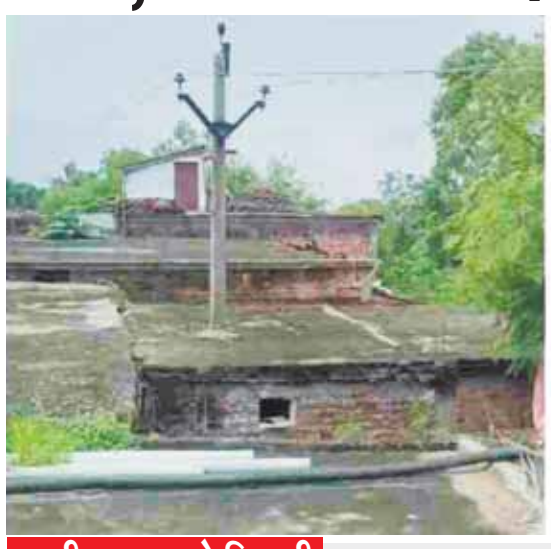

मोहल्ले के लिए 24 घंटे खतरा

छत को चीरकर खड़े किए गए इस पोल से 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन गुजर रही है। घरों के बेहद करीब और सिर के ठीक ऊपर से गुजरती यह मौत की लाइन पूरे मोहल्ले के लिए 24 घंटे का खतरा बन चुकी है। छत पर पैर रखते ही करंट का डर सताने लगता है। ग्रामीणों के अनुसार, पूर्व में भी कई लोग इस हाईटेंशन तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस चुके हैं।

ग्रामीण काट रहे बिजली विभाग के चक्कर

ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार बिजली विभाग के चक्कर काटे गए और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, स्थानीय निवासियों ने बिजली विभाग और जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि किसी बड़ी जनहानि या अनहोनी से पहले इस खंभे व हाईटेंशन लाइन को तुरंत सुरक्षित दूरी पर शिफ्ट किया जाए।

मध्य प्रदेश में आईएएस संवर्ग में पदोन्नति की प्रक्रिया

13 पदों के लिए 39 अफसरों के नाम होंगे प्रस्तावित, छग की तर्ज पर उच्च वेतनमान की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को 10 साल बाद भी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) में आने का अवसर नहीं मिलेगा। वर्ष 2025 के लिए 13 पद आइएएस संवर्ग में नियुक्ति के लिए मिले हैं। इसके लिए राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के नाम प्रस्तावित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रस्ताव अनुमोदित कर दिया है, जिसे एक-दो दिन में संघ लोक सेवा आयोग को भेज दिया जाएगा। बता दें कि 2016 में चार गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आइएएस संवर्ग में नियुक्त किया गया था। इसके बाद 10 साल में फिर किसी को यह मौका नहीं दिया गया। राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से विभिन्न विभागों में नियुक्तियां होती हैं। सेवा में अच्छा काम करने पर प्रोत्साहन स्वरूप ऐसे अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने का अवसर मिलता है लेकिन 2016 से यह व्यवस्था बंद हो गई है।

प्रदेश में इस ओर नहीं दिया जा रहा है ध्यान

आइएएस संवर्ग में नियुक्ति के लिए जो प्रस्ताव सामान्य प्रशासन कार्मिक विभाग द्वारा भेजे जा रहे हैं, उनमें केवल राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को ही शामिल किया जाता है। जबकि, गुजरात, झारखंड, बिहार और बंगाल सहित अन्य राज्य गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को लगातार अवसर दे रहे हैं। राज्य सरकार को इसका अधिकार भी है लेकिन प्रदेश में इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ लगातार इसकी मांग कर रहा है। 2016 में वित्त विभाग की मंजू शर्मा, पंजीयन विभाग के श्रीकांत पांडेय, जेल विभाग के संजय गुप्ता और तकनीकी शिक्षा विभाग के मुजीबुर्रहमान खान को यह मौका दिया गया। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह नीतिगत मामला है। वैसे प्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के पर्याप्त अधिकारी हैं, इसलिए उन्हें अवसर मिल रहा है।

कमल नाथ सरकार में बनी थी सहमति

प्रदेश की कमल नाथ सरकार में गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आइएएस संवर्ग में नियुक्ति के लिए अवसर देने पर सहमति बनी थी। तत्कालीन सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने इसकी पहल की थी लेकिन फिर मामला आया-गया हो गया और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के नाम ही प्रस्तावित किए गए थे।

संबल हितग्राहियों के खातें में पहुंची 203 करोड़ रुपये की सहायता, सीएम बोले

श्रमिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार की प्राथमिकता, हर परिस्थिति में हम हैं साथ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि श्रमिकों की सेवा, कल्याण और उनके जीवन में खुशहाली लाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रमिक अपने खून-पसीने से विकसित मध्यप्रदेश की नींव तैयार कर रहे हैं और उनके सम्मान, सुरक्षा तथा आर्थिक मजबूती के लिए सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि कठिन समय में जब परिवार पर संकट आता है, तब मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना 2.0 श्रमिक परिवारों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के श्रमिक हितग्राहियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रक्षाबंधन से पहले श्रावण के अंतिम सोमवार को श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना 2.0 के तहत अनुग्रह सहायता राशि की 11वीं किश्त जारी की। सिंगल क्लिक के माध्यम से 9 हजार 149 पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में 203 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबल योजना ने प्रदेश के 1 करोड़ 84 लाख से अधिक श्रमिकों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि जब किसी परिवार के मुखिया का असामयिक निधन हो जाता है या अचानक आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है, तब यह सहायता राशि परिवार को आगे बढ़ने का हौसला देती है।

श्रमिकों के सम्मान और सुरक्षा पर सरकार का जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आधार नहीं हैं, बल्कि विकास यात्रा के महत्वपूर्ण साथी हैं। सरकार श्रमिकों के सम्मान और सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बना है, जहां 'श्रम शक्ति संहिता' लागू की गई है। इसके साथ ही श्रमिकों की सुरक्षा और बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए 'श्रम स्टार रेटिंग' की शुरुआत की गई है। सरकार का उद्देश्य श्रमिकों के कौशल को निखारना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसी दिशा में श्रमिकों को सहकारिता से जोड़ने के लिए 'श्रमणा' योजना भी शुरू की गई है। डॉ. यादव ने कहा कि बदलते समय के साथ रोजगार के स्वरूप में भी बदलाव आया है। आज बड़ी संख्या में युवा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और ऐप आधारित रोजगार से जुड़े हैं। ऐसे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को भी संबल योजना 2.0 में शामिल किया गया है, ताकि उन्हें भी सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के लिए स्वास्थ्य सबसे बड़ी चिंता होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामयम् योजना से जोड़ा गया है। इसके अलावा श्रमिक परिवारों के बच्चों की उच्च शिक्षा में भी सरकार सहायता दे रही है।

गर्भवती श्रमिक बहनों को 16 हजार रुपये की सहायता

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक बहनों के स्वास्थ्य और पोषण का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। संबल योजना के अंतर्गत पात्र गर्भवती श्रमिक महिलाओं को 16 हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें गर्भावस्था के दौरान आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े और मां-बच्चे को बेहतर पोषण मिल सके। उन्होंने बताया कि यदि कोई श्रमिक दुर्घटना या अन्य कारणों से दिव्यांग हो जाता है, तो उसके सामने आजीविका का संकट न आए, इसके लिए भी सहायता का प्रावधान किया गया है। अस्थायी दिव्यांगता की स्थिति में 1 लाख रुपये और स्थायी दिव्यांगता होने पर 2 लाख रुपये की सहायता दी जाती है।

9149 हितग्राहियों को मिला योजना का लाभ

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना 2.0 की 11वीं किश्त में सामान्य मृत्यु अनुग्रह सहायता के 8027 हितग्राही, दुर्घटना मृत्यु सहायता के 1034 हितग्राही, आंशिक स्थायी दिव्यांगता के 66 और स्थायी दिव्यांगता के 22 हितग्राही शामिल हैं। योजना के तहत पात्र श्रमिकों को अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रुपये, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये, दुर्घटना में मृत्यु पर 4 लाख रुपये, आंशिक स्थायी दिव्यांगता पर 1 लाख रुपये और स्थायी दिव्यांगता पर 2 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है।

सरकार हर श्रमिक परिवार के साथ खड़ी

पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि संबल योजना के लंबित प्रकरणों को खत्म करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीब और श्रमिक परिवारों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। संबल योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं है, बल्कि यह श्रमिक परिवारों को सुरक्षा, सम्मान और भरोसे का एहसास दिलाने वाली योजना बन चुकी है।

कांग्रेस नेता आशीष तिवारी का प्रहार

सीएमका दौरा मरहम की कोशिश विंध्य की समस्या है जस की तस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विंध्य क्षेत्र के कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने भारी बारिश और जलभराव से उत्पन्न हालात को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का रीवा दौरा जमीनी समस्याओं के समाधान के बजाय महज औपचारिकता बनकर रह गया। मुख्यमंत्री आए, समीक्षा की और लौट गए, लेकिन विंध्य की वास्तविक तस्वीर में कोई बदलाव नहीं आया। तिवारी ने कहा कि रीवा सहित विंध्य के कई क्षेत्रों में जलभराव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। आवागमन बाधित है, किसान फसल नुकसान से परेशान हैं और अनेक परिवारों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। इसके बावजूद प्रभावितों को अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई है।

उन्होंने मांग की कि प्रभावित किसानों और परिवारों के नुकसान का तत्काल निष्पक्ष एवं पारदर्शी सर्वे कराया जाए और वास्तविक क्षति के आधार पर पात्र लोगों को शीघ्र समुचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में जल निकासी,स्वास्थ्य और पेयजल समेत बुनियादी व्यवस्था सदृढ़ करें। तिवारी ने कहा कि हर बारिश में जलभराव और हर बार स्थायी समाधान के आश्वासन अब पर्याप्त नहीं हैं। सरकार को तत्काल राहत के साथ जल निकासी की प्रभावी और स्थायी व्यवस्था विकसित करनी होगी, ताकि जनता को बार-बार ऐसी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा-जनता को भाषण नहीं, राहत चाहिए; घोषणाएं नहीं, मुआवजा चाहिए और अस्थायी इंतजाम नहीं, समस्या का स्थायी समाधान चाहिए। आमजन को राहत और प्रभावितों को समुचित मुआवजा नहीं मिला तो कांग्रेस जनता के साथ सड़क पर उतरेगी और जन आंदोलन करेगी।

लापरवाही की सीएम, पीएमओ में शिकायत

कूनो से चीता निर्वा लापता एक हफ्ते से चीते का पता नहीं कॉलर आईडी भी है खराब

श्योपुर, दोपहर मेट्रो

कूनो नेशनल पार्क से मादा चीता 'निर्वा' एक हफ्ते से ज्यादा समय से लापता है। उसके गायब होने के बाद वन विभाग के अधिकारी गोपनीय तौर पर उसकी तलाश में जुटे हैं। इस बीच मामले में विभागीय लापरवाही के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री, पीएमओ, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (ह्ल्ञ्जष्ट), केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव से किए जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि निर्वा के गले में लगा कॉलर आईडी काफी समय से खराब था, जिसके कारण उसकी लोकेशन ट्रेस करने में परेशानी आ रही है। वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट और आरटीआई एक्टिविस्ट अजय दुबे ने एक्स पर पोस्ट कर निर्वा के लापता होने की जानकारी साझा की। उन्होंने कूनो के फील्ड डायरेक्टर पर वन्यजीवों की निगरानी के बजाय सोशल मीडिया पर नागरिकों और एक्टिविस्ट्स को निशाना बनाने का आरोप लगाया। दुबे ने पोस्ट में फील्ड स्तर पर जवाबदेही तय करने और कार्रवाई की मांग की है।

दो बच्चों की मां है निर्वा

अजय दुबे के मुताबिक, निर्वा वही मादा चीता है जिसके दो बच्चे हैं और यह पहले भी काफी चर्चा में रही है। उनके अनुसार निर्वा के गले में लगा कॉलर आईडी काफी समय से खराब था। इसी वजह से उसकी गतिविधियों और लोकेशन पर नजर रखने में दिक्कत आई।

दुबे के अनुसार, जुलाई में उत्तर प्रदेश के आगरा में शिकारियों का एक गिरोह पकड़ा गया था। इसमें छह चीतों के शिकार की बात सामने आने का दावा किया गया था। ऐसे में उन्होंने आशंका जताई है कि कहीं निर्वा भी इसी गिरोह के शिकार का शिकार तो नहीं हो गई। हालांकि, निर्वा के साथ वास्तव में क्या हुआ, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। मामले में कूनो नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर उत्तम कुमार शर्मा ने कहा कि यदि उन्हें कोई जानकारी देनी होगी तो प्रेस रिलीज जारी कर दी जाएगी। उन्होंने फिलहाल इससे ज्यादा कुछ कहने से इनकार किया है।

होटल कांड पर कांग्रेस का बड़ा एक्शन, ब्लॉक अध्यक्ष राहुल दांगी पार्टी से बाहर

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने गुना जिले के चाचौड़ा से जुड़े होटल मामले में पार्टी के ब्यावरा ब्लॉक अध्यक्ष राहुल दांगी के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। कांग्रेस ने उन्हें ब्लॉक अध्यक्ष के पद से तत्काल हटा दिया है। साथ ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी निष्कासित कर दिया गया है। संगठन प्रभारी संजय कामले ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। मामला सामने आने के बाद कांग्रेस संगठन में हलचल तेज हो गई थी। जानकारी के अनुसार, चाचौड़ा क्षेत्र में पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर एक होटल में दबिश दी थी। कार्रवाई के दौरान तीन युवकों को युवतियों के साथ पकड़े जाने की बात सामने आई थी। इनमें ब्यावरा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल दांगी का नाम भी सामने आया।

शिक्षक पात्रता परीक्षा का विरोध, मंत्री-आयुक्त से मुलाकात

मांग: दायरे में आने वाले शिक्षकों की सूची जारी हो

मंत्री बोले- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शिक्षकों की पात्रता परीक्षा के लिए कर्मचारी चयन मंडल द्वारा भराए जाने वाले ऑनलाइन आवेदन का विरोध पात्रता परीक्षा के दायरे में आ रहे शिक्षकों और शिक्षक संगठनों द्वारा किया जा रहा है। इसको लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री और आयुक्त लोक शिक्षण से अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुलाकात कर कहा है कि पहले पात्रता परीक्षा के दायरे में आने वाले शिक्षकों की सूची जारी की जाए। वहीं मंत्री की ओर से सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद सूची जारी करने की बात कही है। अगर परीक्षा होना ही है ऑनलाइन और ऑफलाइन का विकल्प रखा जाए। साथ ही परीक्षा केंद्र जिला और तहसील स्तर पर बनाए जाएं। मंत्री ने शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल को कर्मचारी चयन मंडल से चर्चा करने का आश्वासन दिया है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश ने आज स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह एवं आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल ने ÷शिक्षक पात्रता परीक्षा÷ को लेकर अपना पक्ष रखा।

इस मुलाकात के दौरान मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने ऐसे शिक्षकों की वर्षवार, कैडर वार सूची जारी करने को कहा जिनकी पात्रता परीक्षा विभाग लेना चाह रहा है। यह भी कहा गया कि जिन शिक्षकों की पात्रता परीक्षा लेना ही पड़े, उनकी परीक्षा ऑफ़लाइन या ऑनलाइन होगी, इसका विकल्प शिक्षकों के लिए हो। मोर्चा ने यह भी कहा कि जिनकी परीक्षा होनी है, उनके लिए परीक्षा केंद्र तहसील या जिला स्तर पर हों। परीक्षा का पाठ्यक्रम शिक्षकों के अध्यापन कार्य के स्तर पर आधारित हो। साथ ही वर्ष 2005 से परीक्षा देकर भर्ती हो रहे शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त रखा जाए।

मंत्री का आश्वासन, कर्मचारी चयन मंडल से चर्चा करेंगे

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा की ओर से बताया गया कि मोर्चा के प्रस्तावों पर शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि वे विभाग एवं कर्मचारी चयन मंडल से चर्चा कर इसका विधिसम्मत हल निकालने का प्रयास करेंगे। मोर्चा के अनुसार तब तक परीक्षा की प्रक्रिया को स्थगित रखा जाएगा। मोर्चा ने यह भी कहा है कि आयुक्त लोक शिक्षण ने मुलाकात के दौरान स्पष्ट कहा कि शिक्षक अपने दायित्वों का निर्वहन प्रसन्न मन से करें और शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर किसी भी प्रकार का तनाव न लें।

मेट्रो एंकर | प्रदेश के निःसंतान दंपतियों के लिए बड़ी खुशखबरी

एम्स भोपाल में शुरू हुआ मप्र का पहला सरकारी आईवीएफ सेंटर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संतान की चाह में महंगे निजी उपचार का बोझ उठाने वाले दंपतियों के लिए एम्स भोपाल ने बड़ी राहत की शुरुआत की है। यहां अत्याधुनिक आईवीएफ एवं फर्टिलिटी सेंटर शुरू हो गया है, जहां करीब 50 से 80 हजार रुपये में आईवीएफ उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। निजी सेंटरों में इसी प्रक्रिया पर डेढ़ से तीन लाख रुपये तक खर्च आता है। ऐसे में एम्स की यह सुविधा आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए उम्मीद की बड़ी किरण बनकर सामने आई है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. नरेंद्र कोतवाल ने सेंटर का शुभारंभ किया। दिल्ली और रायपुर के बाद एम्स भोपाल देश का तीसरा सरकारी एम्स है, जहां आइवीएफ सुविधा शुरू हुई है।

प्रदेश में हर साल करीब 10 हजार दंपती निजी सेंटरों पर आईवीएफ कराते हैं। अब उन्हें सरकारी संस्थान में कम खर्च पर आधुनिक उपचार मिल सकेगा। सेंटर के शुभारंभ अवसर पर डीन एकेडमिक प्रो. रजनीश जोशी, डिप्टी डायरेक्टर संदेश जैन, मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो. विकास गुप्ता सहित स्त्री रोग विभाग के विशेषज्ञ और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

केंद्र सरकार ने करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर विकसित किया है। इसमें अत्याधुनिक आईवीएफ लैब, हाई-एंड इन्क्यूबेटर और एम्ब्रियो फ्रीजिंग की सुविधा उपलब्ध है।

डॉक्टरों के प्रशिक्षण के लिए डिजिटल स्किल लैब भी बनाई गई है। यहां एआई आधारित सिम्युलेटर के माध्यम से भ्रूण ट्रांसफर और हिस्टेरोस्कोपी जैसी प्रक्रियाओं का अभ्यास कराया जाएगा।

पति-पत्नी दोनों की जांच और इलाज एक ही जगह

सेंटर की खासियत यह है कि संतान प्राप्ति में आने वाली समस्या के लिए पति और पत्नी दोनों की जांच व उपचार एक ही छत के नीचे किया जाएगा। यहां अंडोत्सर्जन की निगरानी, आईयूआई, आईवीएफ, आईसीएसआई, भ्रूण संवर्धन व अंडाणु, शुक्राणु और भ्रूण को फ्रीज करने की सुविधा मिलेगी। फ्रीज किए गए भ्रूण को बाद में गर्भाशय में ट्रांसफर भी किया जा सकेगा। सभी प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों के तहत मरीज की सहमति और गोपनीयता के साथ होंगी।

जान से कीमती फोन

एक मोबाइल फोन कितना बड़ा हो सकता है? इतना कि उसके लिए परिवार की खुशियां दांव पर लग जाएं? इतना कि एक किशोर अपनी जिंदगी खत्म करने की धमकी दे और उसे बचाने की कोशिश में माता-पिता भी मौत के मुंह में चले जाएं? महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर की घटना इन सवालों को बेहद भयावह तरीके से हमारे सामने रखती है। यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का आईना है जिसमें वस्तुओं का मूल्य धीरे-धीरे भावनाओं और रिश्तों से बड़ा होता जा रहा है। बताया गया कि 18 वर्षीय कुणाल चांदगुडे का आईफोन की किस्त को लेकर माता-पिता से विवाद हुआ। इसके बाद वह करीब 300 फीट ऊंची पहाड़ी पर पहुंच गया और खुद को खत्म करने की धमकी देने लगा। करीब तीन घंटे तक परिवार, ग्रामीण और पुलिस उसे समझाते रहे। उसे बचाने की कोशिश में पिता भी पहाड़ी से गिर गए और यह देखकर मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी। कुछ ही समय पहले जिस विवाद की शुरूआत एक मोबाइल फोन की किस्त से हुई थी, उसने पूरे परिवार को ऐसी त्रासदी में धकेल दिया, जिसकी भरपाई संभव नहीं। लेकिन इस घटना को केवल 'आईफोन की जिद' कह देना समस्या को छोटा कर देना होगा। असली प्रश्न उस मानसिकता का है जिसमें एक वस्तु इच्छा से बढ़कर प्रतिष्ठा बन जाती है और इच्छा पूरी न होना आत्मसम्मान पर चोट जैसा महसूस होने लगता है। आज की डिजिटल दुनिया में ब्रांड केवल वस्तु नहीं रह गए हैं। वे स्टेटस, लोकप्रियता और सामाजिक स्वीकार्यता के प्रतीक बनाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया इस दबाव को और तीखा करता है, जहां दूसरों का दिखावटी जीवन लगातार हमारी आंखों के सामने मौजूद रहता है। उपभोक्तावाद की इस चमक के बीच बच्चों को 'नहीं' सुनना सिखाना शायद सबसे कठिन अभिभावकीय जिम्मेदारी बन गया है। हर मांग पूरी करना आसान है, लेकिन यह समझाना कठिन है कि जीवन में हर इच्छा पूरी नहीं होती। अभाव से गुजरना, इंतजार करना और असफलता को स्वीकार करना भी जीवन की शिक्षा है। यदि बचपन से यह सीख नहीं मिली तो छोटी-सी असहमति भी भविष्य में असहनीय संकट बन सकती है। और जब कोई युवा आत्महत्या की धमकी देता है, तो उसे जिद या भावनात्मक दबाव कहकर टालना गंभीर भूल हो सकती है। ऐसे संकेतों को तत्काल गंभीरता से लेना चाहिए।

नाबालिग बच्चों में अपराध की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

छोटी उम्र के बच्चों में आक्रामकता, चोरी, मारपीट और यहाँ तक कि गंभीर हिंसक अपराधों जैसे हत्या लूट के रुझान में इज़ाफ़ा देखा जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में हिंसक डिजिटल कंटेंट, पारिवारिक संवाद की कमी और गलत संगत शामिल हैं।हाल ही में तेलंगाना के नालगोंडा में एक महिला प्रिंसिपल की उनके ही स्कूल के तरूण छात्र ने एक अन्य साथी छात्र के साथ मिलकर लूटपाट कर नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने 48 वर्षीय स्कूल प्रिंसिपल की सनसनीखेज हत्या के मामले को सुलझा लिया है और दो छात्रों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पैसे और आलीशान जीवन शैली के लिए अपराध की योजना बनाई थी।यह वारदात समाज में नाबालिक बच्चों में अपराध की दुनिया के प्रति बढ़ता आकर्षण कानून और समाज से बेखौफ उन्मुक्त और अय्याशी भरे जीवन शैली को जीने की ललक को बताती है। भारत में क्राइम के मामलों को लेकर एनसीआरबी ने चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, हत्या, रेप और अपहरण जैसे संगीन अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली में 40 फीसदी से भी अधिक ऐसे केस सामने आए हैं।

आपको बता दें कि तेलंगाना के कोंडमल्लेपल्ली स्थित नागार्जुन पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर कल्लू रूपा रेड्डी 12 अगस्त की सुबह अपने घर में मृत पाई गईं। उनके शरीर पर चाकू के 27 घाव थे। उनका शव तब बरामद हुआ जब उनके पति, जो हैदराबाद में थे, ने पड़ोसियों को बताया कि वह उनके फोन का जवाब नहीं दे रही हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने उन्हें मृत पाया।

इसके बाद पुलिस ने पांच टीमें बनाईं और सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट, तकनीकी डेटा और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच की और 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। बाबू शब्द के कारण छात्रों ने जांचकर्ताओं को तब सुराग मिला जब उन्हें पता चला कि फोन बंद होने से पहले रूपा रेड्डी ने अपनी चाची से बात करते समय बाबू शब्द का इस्तेमाल किया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शरथ चंद्र पवार के अनुसार उसकी बातचीत के दौरान रिकॉर्ड किया गया आखिरी शब्द बाबू था। हमने इस बात की जांच की कि वह किसका जिक्र कर रही थी, और इससे हमें स्कूल के छात्रों की ओर संकेत मिला।

इसके बाद जांचकर्ताओं ने छात्रों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और कक्षा 10 के उन पांच छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो स्कूल से अनुपस्थित रहे थे। उन्हें पता चला कि उनमें से दो छात्र पिछले कुछ दिनों में खूब पैसा खर्च कर रहे थे और पार्टियां दे रहे थे।पवार ने बताया कि दोनों छात्रों को बुधवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने योजना के अनुसार रूपा रेड्डी की हत्या की थी।

जांच अधिकारी के अनुसार आरोपियों को इससे पहले रूपा रेड्डी द्वारा फटकार लगाई गई थी, जब उनके छात्रावास के बैग से नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ था।उसने उनके माता-पिता को सूचित किया, और उन्हें छात्रावास से निकालकर दैनिक छात्र का दर्जा दे दिया गया।पुलिस को संदेह है कि इससे प्रधानाचार्य के प्रति असंतोष पैदा होने में योगदान हो सकता है।

आपको बता दें कि सोशल मीडिया के इस दौर में ऑनलाइन गेम और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध असीमित और हिंसक सामग्री बच्चों के कोमल मन पर बुरा असर डाल रही है।

एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अपराध के लगभग हर क्षेत्र में नाबालिग शामिल पाए गए। इसमे कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं। जिसमें रेप, हत्या और किडनैपिंग मे मामलों में 12 साल से कम उम्र तक के नाबालिग भी शामिल रहे।

इस साल जनवरी 2026 में राजधानी दिल्ली में तीन नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। तीनों पर एक 6 साल की बच्ची का रेप करने का आरोप था। कानूनन तीनों नाबालिग थे लेकिन तीनों ने मिलकर इतनी हैवानियत की थी कि वह बच्ची ठीक से चल भी नहीं पा रही थी।

2024 में नाबालिगों के खिलाफ रेप के 1,067 और मर्डर के 1,120 मामले दर्ज किए गए थे। अगर इसका औसत निकाला जाए तो हर दिन रेप और मर्डर के 3-3 मामलों में आरोपी नाबालिग होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में जितने नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें से 2,857 ही ऐसे थे जो अनपढ़ थे। 21,068 आरोपी ऐसे थे जिन्होंने 5वीं से 10वीं तक की पढ़ाई की थी। जबकि, 10वीं से 12वीं तक पढ़ाई करने वाले 8,301 और 12वीं पास 1,418 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह, इनमें से सिर्फ 2,216 नाबालिग ही ऐसे थे जो बेघर थे और जिनके माता-पिता नहीं थे। जबकि 36,905 आरोपी ऐसे थे जो अपने माता-पिता के साथ रहते थे। इनके अलावा 3,512 आरोप किसी न किसी गार्जियन के साथ रहते थे।

दरअसल माता-पिता का बच्चों के साथ संवाद कम होना, घरेलू हिंसा या परिवार का विघटन बच्चों को विद्रोही बना रहा है। पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में हर समय जीतने का भारी तनाव बच्चों में गुस्सा और कुंठा पैदा कर रहा है।बुरी संगत और सहपाठियों (पीयर प्रेशर) के दबाव में आकर बच्चे जल्दी गलत रास्ते पर कदम रख देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का सुझाव है कि गरीबी कम करके और शहरी वातावरण को बेहतर करके नाबालिगों को हिंसा में आने से रोका जा सकता है। अमीरी और गरीबी का अंतर अपराध को बढ़ाता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में अपनी भड़ास निकालने के लिए हिंसा सबसे आसान जरिया बन जाती है। इसलिए गैर-बराबरी कम करने के साथ-साथ स्कूली शिक्षा को बेहतर करके बच्चों को हिंसा और अपराध से बचाया जा सकता है।इसके साथ ही माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उनकी भावनाओं को समझें। बच्चों द्वारा देखे जाने वाले डिजिटल और ऑनलाइन कंटेंट की निगरानी करें। घर और स्कूल में ऐसा वातावरण दें जहाँ बच्चा खुलकर अपनी बात रख सके।जुवेनाइल जस्टिस सिस्टम का उद्देश्य बच्चों को सजा देना नहीं बल्कि उनकी काउंसलिंग कर उन्हें सुधारना है लेकिन इस सहानुभूति भरे कानून का नाबालिक अपचारी दुरूपयोग न करें इस ओर भी निगरानी जरूरी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी... बदल रहा है भारतीय क्रिकेट का चेहरा

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

भारतीय क्रिकेट अब उस दौर में पहुंच गया है, जहां देश के पास केवल एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीम नहीं, बल्कि एक साथ कई स्तरों पर मुकाबला करने लायक खिलाड़ियों की लंबी कतार मौजूद है। आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट में एक ऐसा बदलाव दिखाई दे सकता है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले करना भी मुश्किल था। अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के दबाव, खिलाड़ियों के बढ़ते कार्यभार और 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी ने भारतीय क्रिकेट को नई रणनीति बनाने के लिए मजबूर किया है। इसी दिशा में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का टैलेंट पूल तैयार करने की योजना भारतीय क्रिकेट के भविष्य की तस्वीर बदल सकती है।

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 भारतीय क्रिकेट के इस बदलाव की सबसे बड़ी वजहों में से एक है। क्रिकेट को ओलिंपिक में शामिल किए जाने के बाद यह खेल केवल पारंपरिक टेस्ट और द्विपक्षीय सीरीज तक सीमित नहीं रहेगा। भारत के लिए ओलिंपिक में पदक जीतना अब प्रतिष्ठा का सवाल भी होगा। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सामने ऐसी टीम तैयार करने की चुनौती होगी, जो विश्व कप और द्विपक्षीय क्रिकेट के साथ-साथ ओलिंपिक जैसे बड़े मंच पर भी देश का प्रतिनिधित्व कर सके। यही कारण है कि आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों का एक बड़ा और मजबूत समूह तैयार करना जरूरी हो गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का कार्यक्रम लगातार व्यस्त होता जा रहा है। एक तरफ टेस्ट और वनडे क्रिकेट है, दूसरी तरफ टी20 क्रिकेट का विस्तार हो रहा है। इसके साथ आईपीएल ने भारतीय खिलाड़ियों की संख्या और गुणवत्ता दोनों को नई ऊंचाई दी है। अब स्थिति यह है कि घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से लगातार ऐसे खिलाड़ी सामने आ रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौती के लिए तैयार दिखाई देते हैं। भारत के पास प्रतिभाओं की यह ताकत उसकी सबसे बड़ी क्रिकेट संपत्ति बन चुकी है। आज किसी एक खिलाड़ी के चोटिल होने या आराम लेने पर टीम का संतुलन पूरी तरह बिगड़ने की स्थिति नहीं है। बल्लेबाजी, तेज गेंदबाजी, स्पिन, विकेटकीपिंग और ऑलराउंडर के रूप में भारत के पास विकल्पों की लंबी सूची है। यही गहराई भारतीय क्रिकेट को दुनिया की दूसरी टीमों से अलग बनाती है।

यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा बल्लेबाज भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनके साथ सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, केएल राहुल, संजू सैमसन, श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी अलग-अलग परिस्थितियों में टीम को मजबूती देने की क्षमता रखते हैं। हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल जैसे ऑलराउंडर टीम के संतुलन को बेहतर बनाते हैं। दूसरी ओर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और मयंक यादव जैसे तेज गेंदबाज भारत के पास मौजूद गेंदबाजी की विविधता को दिखाते हैं।

स्पिन विभाग भी भारत की बड़ी ताकत है। कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती जैसे गेंदबाज अलग-अलग तरह की परिस्थितियों में प्रभाव डाल सकते हैं। वॉशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उपयोगी विकल्प देते हैं। यही गहराई बताती है कि भारतीय क्रिकेट अब केवल गिने-चुने सितारों पर निर्भर नहीं है। अगर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में टकराव की स्थिति बनती है और भारत को एक ही समय में अलग-अलग प्रतियोगिताओं में टीमें उतारनी पड़ती हैं, तो यह भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी परीक्षा के साथ-साथ बड़ी उपलब्धि भी होगी। इसका अर्थ होगा कि भारत के पास इतने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मौजूद हैं कि दो अलग-अलग टीमों को मैदान में उतारने की क्षमता विकसित हो चुकी है। ऐसी स्थिति में किसी टीम को कमजोर या दूसरी श्रेणी की टीम मानने के बजाय दोनों टीमों को भारतीय क्रिकेट की वास्तविक गहराई का प्रतिनिधि माना जा सकेगा।

यह बदलाव अचानक नहीं आया है। पिछले दो दशकों में भारतीय क्रिकेट की संरचना में बड़ा परिवर्तन हुआ है। आईपीएल ने युवा खिलाड़ियों को दुनिया के शीर्ष क्रिकेटरों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और दबाव में प्रदर्शन करने का अवसर दिया। घरेलू क्रिकेट की मजबूत व्यवस्था ने भी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का रास्ता दिया। नतीजा यह हुआ कि छोटे शहरों और अलग-अलग राज्यों से खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने लगे।

भारतीय क्रिकेट का अगला लक्ष्य इसलिए केवल अधिक मैच खेलना नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो अगले दशक तक देश को लगातार सफलता दिला सके। 2028 का लॉस एंजिलिस ओलिंपिक इस अभियान का महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। अगर भारत अभी से अपनी प्रतिभाओं को सही दिशा, पर्याप्त अवसर और अंतरराष्ट्रीय अनुभव देता है, तो ओलिंपिक के साथ-साथ विश्व कप और अन्य बड़े टूर्नामेंटों में भी उसका दबदबा लंबे समय तक कायम रह सकता है। एक देश में एक मजबूत टीम होना बड़ी उपलब्धि है, लेकिन एक साथ दो विश्वस्तरीय टीमों के लिए पर्याप्त प्रतिभा होना क्रिकेट की असाधारण ताकत का संकेत होगा। भारतीय क्रिकेट जिस दिशा में बढ़ रहा है, उसमें आने वाले वर्षों का सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होगा कि भारत के पास प्रतिभा है या नहीं, बल्कि यह होगा कि इतनी बड़ी प्रतिभा को कितनी प्रभावी तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। लॉस एंजिलिस 2028 की तैयारी इसी नई भारतीय क्रिकेट शक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

सुबह उठने पर आंखों में सूजन के साथ अन्य लक्षण भी हों तो सतर्क हो जाएं

सुबह नींद से उठने के बाद आईने में आंखों के नीचे हल्की सूजन दिखाई देना काफी आम है। कई बार कुछ देर बाद यह अपने आप कम भी हो जाती है। लेकिन अगर आंखों के नीचे सूजन रोज सुबह दिखाई दे, लंबे समय तक बनी रहे या इसके साथ शरीर के दूसरे हिस्सों में भी सूजन, थकान, सांस फूलना या वजन में बदलाव जैसे लक्षण हों, तो इसे केवल नींद की कमी मानना सही नहीं है।

सोते समय कई घंटों तक शरीर बिस्तर पर फ्लैट स्थिति में रहता है। इस दौरान शरीर के कुछ हिस्सों में फ्लूइड वितरण बदल सकता है। मैयोक्लीनिक के अनुसार आंखों के आसपास के टिशू में थोड़ी मात्रा में फ्लूइड जमा होने पर सुबह हल्की सूजन दिखाई दे सकती है। इसके अलावा, पिछली रात में ज्यादा नमक वाला भोजन करने की गलती, शराब का सेवन, पर्याप्त नींद न लेना या रोने के बाद भी आंखों के आसपास सूजन बढ़ सकती है।

नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार किडनी शरीर में फ्लूइड और इलेक्ट्रॉलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जब किडनी की फिल्टर करने की क्षमता प्रभावित होती है, तो शरीर में अतिरिक्त फ्लूइड जमा हो सकता है और एडिमा दिखाई दे सकता है।विशेष रूप से नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी किडनी कंडिशन में शरीर के विभिन्न हिस्सों में सूजन हो सकती है। इस कंडिशन में यूरिन के रास्ते प्रोटीन लीक (पेशाब में झाग) होने लगता है और ब्लड में एलबूमिन जैसी महत्वपूर्ण प्रोटीन की कमी होने लगती है, जिससे शरीर में और खास तौर से आंखों के नीचे सूजन आने लगती है।

थायरॉइड की समस्या: एनसीबीआई के अनुसार थायरॉइड डिसऑर्डर में भी चेहरे और आंखों के आसपास बदलाव ला सकते हैं। खासकर हायपोथायराइडिज्म में शरीर के टिशू सूजन दिखाई दे सकती है। थायरॉइड हार्मोन कम होने पर शरीर में थकान, वजन बढ़ना, कब्ज और मेटाबॉलिक बदलाव होने लगते हैं। इस दौरान कुछ लोगों को आंखों में ड्राइनेस और सूजन जैसे लक्षण महसूस होते हैं। एलर्जी के कारण आंखों में सूजन तब होती है, जब धूल, परागकण, पालतू जानवरों की रूसी या धुएं जैसे एलर्जेंस के प्रति शरीर का इम्यून सिस्टम प्रतिक्रिया करता है। इस दौरान हिस्टामिन जैसे रसायन निकलते हैं, जिससे आंखों के आसपास की रक्त वाहिकाएं फैलती हैं और आसपास के टिशू में तरल जमा हो सकता है। यह लक्षण सुबह के समय महसूस हो सकता है।

लेकिन अगर सूजन लगातार बनी रहती है या इसके साथ पैरों में सूजन, पेशाब में बदलाव, थायरॉइड, लगातार नाक बंद होना, आंखों में दर्द या दिखाई देने में परेशानी महसूस हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

निशाना

गालियां श्रृंगार सी लगने लगी

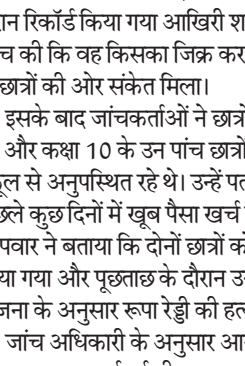

मनोज साहू 'निडर'

सभ्यता बीमार सी लगने लगी।
गालियाँ शृंगार सी लगने लगी।
वक्त किसको है, मिलें चौपाल पर
दिल्लगी दुश्वार सी लगने लगी।
द्वार पर घंटी लगा ली शान से
दस्तकें बेकार सी लगने लगी।
काँच के परदे में सिमटी ज़िंदगी
भावना भंगार सी लगने लगी।
माँ सदा बुनियाद होती प्यार की
क्यों तुम्हें दीवार सी लगने लगी।
बस अना के दायरे में घूमती
ज़िंदगी परकार सी लगने लगी।

टेक्नो अपडेट

नया विकल्प... अब गैस-कंप्रेसर नहीं बिजली से ठंडा होगा भविष्य का फ्रिज

कल्पना कीजिए, घर का फ्रिज ठंडा तो करे, लेकिन उसमें पारंपरिक कंप्रेसर और रेफ्रिजरेंट गैस की जरूरत ही न पड़े। यह विचार अब केवल विज्ञान-कथा नहीं है। वैज्ञानिक सॉलिड-स्टेट कूलिंग यानी ठोस पदार्थों से ठंड पैदा करने वाली तकनीक को घरेलू कूलिंग की अगली पीढ़ी के विकल्प के रूप में विकसित कर रहे हैं। 2026 में इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण प्रगति हुई हैं।

बिजली का क्षेत्र बदलेगा तापमान: इस तकनीक की सबसे दिलचस्प शाखा इलेक्ट्रोकैलोरिक कूलिंग है। इसमें विशेष इलेक्ट्रोकैलोरिक पदार्थ पर विद्युत क्षेत्र लगाया जाता है। पदार्थ के अंदर मौजूद ध्रुवीय कणों की व्यवस्था बदलती है और उसके तापमान में परिवर्तन होता है। फिर विद्युत क्षेत्र हटाने पर वह वापस ठंडा होता है। इस प्रक्रिया को नियंत्रित तरीके से दोहराकर गर्मी को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जा सकता है। यानी ठंड पैदा करने के लिए गैस को बार-बार दबाने और फैलाने वाला पारंपरिक कंप्रेसर जरूरी नहीं रहता।

2026 में मिली बड़ी सफलता: मई 2026 में Nature में प्रकाशित शोध में वैज्ञानिकों ने ऐसे मल्टीलेयर कैपेसिटर विकसित किए, जिनमें कमरे के तापमान के आसपास और उससे नीचे भी इलेक्ट्रोकैलोरिक प्रभाव देखा गया। प्रयोग में करीब 3 डिग्री सेल्सियस का तापमान परिवर्तन हासिल किया गया और सामग्री को एक करोड़ से अधिक बार विद्युत क्षेत्र के संपर्क में लाकर उसकी स्थिरता भी जांची गई। शोधकर्ताओं के अनुसार यह परिणाम भविष्य के इलेक्ट्रोकैलोरिक रेफ्रिजरेशन प्रोटोटाइप के लिए महत्वपूर्ण है।

फ्रिज छोटा और शांत हो सकता है: कंप्रेसर हटने का मतलब केवल डिजाइन बदलना नहीं होगा। भविष्य में ऐसे कूलिंग सिस्टम अपेक्षाकृत शांत, कॉम्पैक्ट और कम रखरखाव वाले बनाए जा सकते हैं। Fraunhofer IPM के अनुसार कैलोरिक हीट पंप रेफ्रिजरेंट के बिना काम कर सकते हैं और इनमें कंप्रेसर की जरूरत नहीं होती। संस्थान से जुड़ी नई कंपनी Qurie ने 2026 में इलेक्ट्रोकैलोरिक हीट पंप तकनीक के व्यावसायीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है। हालांकि उसका शुरुआती फोकस घरेलू फ्रिज पर नहीं, बल्कि कंट्रोल कैबिनेट और लेजर कूलिंग जैसे क्षेत्रों पर है।

वायरल कंटेंट

खरगोश के बिल जैसा एक छोटा सा रास्ता अंदर मिला 200 साल पुराना सीक्रेट महल

सोचिए आप किसी खेत में टहल रहे हों और अचानक जमीन पर बना खरगोश के बिल जैसे एक छोटा सा गड्ढा नजर आ जाए। जब उसके अंदर झांक कर देखें तो पता चले कि आप किसी विशाल और खूबसूरत गुफा के अंदर पहुंच गए। पहली बार में सुनने पर यह बात किसी काल्पनिक कहानी जैसी लगती है, लेकिन इंग्लैंड के श्रॉपशायर इलाके में यह घटना बिल्कुल सच साबित हुई है। यहां बेकबरी के पास कैंटन हॉल की निजी जमीन पर एक ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां खरगोश के एक मामूली से बिल के नीचे बलुआ पत्थरों से तराशी गई कैंटन केव्स नाम की एक बड़ी और सीक्रेट गुफा छिपी हुई मिली। इस गुफा को लेकर इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कई तरह की कहानियां लंबे समय से चल रही हैं।

लोग अक्सर यह दावा करते हैं कि इसे 12वीं सदी में नाइट्स टेम्पलर नाम के एक मशहूर कैथोलिक लड़ाकू संगठन ने खोदा था। नाइट्स टेम्पलर वही ग्रुप था, जिसे यरूशलम जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया था और बाद में यह यूरोप का सबसे अमीर और ताकतवर संगठन बन गया था। 14वीं सदी में जब इस ग्रुप को बंद कर दिया गया, तो इनसे जुड़ी कई रहस्यमयी कहानियां बनने लगीं। इसी वजह से लोगों ने इस गुफा को भी नाइट्स टेम्पलर का 700 साल पुराना सीक्रेट अड्डा मान लिया। लेकिन जब इतिहासकार और एक्सपर्ट्स ने इस गुफा की जांच की तो सच्चाई कुछ और ही निकलकर सामने आई है। असल में यह गुफा 700 साल पुरानी नहीं, बल्कि मुश्किल से 200 साल पुरानी है। यानी जब नाइट्स टेम्पलर का खात्मा हुआ था, उसके लगभग 500 साल बाद 19वीं सदी की शुरुआत में इसे बनाया गया था।

वैज्ञानिकों का मानना है कि 19वीं सदी में यहां पत्थरों की खदान हुआ करती थी, जहां से बलुआ पत्थर निकाले जाते थे।

बाद में जमीन के मालिक ने इस खाली जगह को सजाने के लिए खूबसूरत खंभों, मेहराबों और मोमबत्तियां रखने के लिए छोटे-छोटे आले बनाकर एक सुंदर बनावटी गुफा का रूप दे दिया। हाल ही में यह गुफा एक बार फिर से खबरों में आ गई, क्योंकि इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगीं। कई जगह इसे 700 साल पुरानी नई खोज बताकर पेश किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह गलत और भ्रामक है। यह गुफा न तो हाल-फिलहाल में खोजी गई है और न ही इसका नाइट्स टेम्पलर से कोई सीधा लेना-देना है।

विधायक का नाम लेकर राजनीतिक धौंस दिखाने का आरोप -वायरल वीडियो पर कंचन तनवे ने दी सफाई, कहा - सड़क छाप लोगों से कोई नाता नहीं

अवैध शराब कारोबारी का रौब... खंडवा विधायक का भांजा हूं, अभी बात कराता हूं, ठेकेदार की शराब बेच रहे हैं

खंडवा। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध शराब कारोबारियों का हौसला इतना बढ़ गया है कि वह अब विधायक तक की धमकी देने लगे है। बीते दिन ऐसा ही एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें अवैध शराब की बिक्री रोकने गई महिलाओं को शराब कारोबारी विधायक कंचन तनवे का भांजा होने की धौंस जमाते हुए डरा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद विधायक कंचन तनवे ने साफ कहा कि कोई भी सड़क छाप हमारा नाम लेता है, तो उससे हमारा कोई नाता नहीं है।

मामला पिपलौद थाना क्षेत्र के ग्राम खिड़गांव का है। संयुक्त महिला समिति द्वारा गांव-गांव में अवैध शराब रोकने के लिए समझाइश दी जा रही है। बीते दिन समिति की जिलाध्यक्ष ममता मोरे सहित महिलाएं खिड़गांव में एक दुकान पर बिक रही अवैध शराब के कारोबार को रोकने पहुंचीं थीं। यहां शराब बेच रहे सदानंद नामक युवक ने महिलाओं को धमकाया। युवक ने अपने आप को विधायक कंचन तनवे और उनके पति मुकेश तनवे को मामा-मामी बताते हुए मोबाइल पर बात कराने की धमकी दी।

संयुक्त समिति की ममता मोरे ने मौके से ही विधायक कंचन तनवे को फोन लगाया। फोन उनके पीए ने उठाया, ममता मोरे ने पूरे मामले की जानकारी दी और युवक को फोन पकड़ा दिया। युवक ने अपना नाम सदानंद बताते हुए पीए से कहा कि मैं उनका भांजा बोल रहा हूं। पीए ने कहा कि विधायक अभी किसी मिटिंग में है, उनसे बात नहीं कराई जा सकती। इसके बाद समिति की महिलाओं और युवक में काफी देर बहस होती रही। इस दौरान कोई भी पुलिसकर्मी या आबकारी विभाग के जिम्मेदार भी मौके पर नहीं पहुंचे।

कोई भी हो कार्रवाई होना चाहिए

इस मामले में विधायक कंचन तनवे ने अपनी सफाई दी है। विधायक तनवे का कहना है कि विधायक बनते ही हर सड़क छाप अपनी रिश्तेदारी उनसे जोड़ने लगा है। उनका केवल एक ही भांजा है जो बाहर रहता है, उक्त युवक से उनका या उनके पति मुकेश तनवे का कोई लेना-देना नहीं है। विधायक ने कहा कि अवैध काम करने वाला चाहे हमारा रिश्तेदार ही क्यों न हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए। इस मामले में विधायक ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग से भी कार्रवाई करने की मांग की है।

डायरी पर बेच रहा था शराब, ठेकेदार ने मना किया

सामाजिक कार्यकर्ता ममता मोरे ने बताया कि गांव-गांव में शराब ठेकेदार डायरी पर शराब बेच रहे है। जब महिला समिति पहुंची तो वहां एक दुकान में अवैध शराब बेची जा रही थी। युवक का कहना था कि डायरी पर ठेकेदार से ही शराब खरीदते है। ठेकेदार ने 19 करोड़ में ठेका लिया है, उसे तो शराब बेचना ही है। जब सामाजिक कार्यकर्ता ममता मोरे ने ठेकेदार से बात की तो उसका कहना था कि हम किसी को भी डायरी पर शराब नहीं बेचते।

न्यूज विंडो

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मार्ग ग्रामीणों ने पुष्पमालाओं से किया स्वागत

गंज बासौदा। सावन के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत जोगी किरोंदा के युवाओं ने धार्मिक आस्था और उत्साह का परिचय देते हुए करीब 55 किलोमीटर की डाक कांवड़ यात्रा निकाली। युवाओं ने गांव के नदी हनुमान मंदिर के पास घोड़ा पछाड़ से पवित्र जल भरा और काशी विश्वनाथ धाम, देवपुर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।सावन के चौथे सोमवार को निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में ग्राम के युवा शामिल हुए। कांवड़ यात्रियों ने पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष लगाए, जिससे वातावरण शिवमय हो गया। यात्रा के मार्ग में ग्रामीणों ने कांवड़ यात्रियों का जगह-जगह पुष्पमालाओं से स्वागत किया। श्रद्धालुओं के लिए पानी, फल, चाय-नाश्ता सहित खान-पान की व्यवस्था भी की गई। ग्रामीणों के आत्मीय स्वागत से यात्रियों का उत्साह बढ़ता रहा। करीब 55 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद श्रद्धालु काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने पवित्र जल से भगवान शिव का अभिषेक कर ग्राम एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। युवाओं ने अनुशासन और धार्मिक भावना के साथ यात्रा पूरी की। डाक कांवड़ यात्रा ने जहां युवाओं की धार्मिक आस्था और एकजुटता को प्रदर्शित किया, वहीं मार्ग में हुए स्वागत ने आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया।

12 पदकों से चमके बासौदा के ताइक्वांडो खिलाड़ी

गंजबासौदा। सागर में आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बासौदा ताइक्वांडो क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नगर का नाम रोशन किया। क्लब के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 12 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के दम पर विदिशा जिले की टीम ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। 21 अगस्त को बासौदा ताइक्वांडो क्लब का 15 सदस्यीय दल प्रशिक्षक हेमंत कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में सागर के लिए रवाना हुआ था। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती दी और पदक हासिल किए। बासौदा के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से क्लब के खिलाड़ियों, अभिभावकों, प्रशिक्षकों और खेलप्रेमियों में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिलाड़ियों ने यह साबित किया कि नियमित अभ्यास और मेहनत के दम पर छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी राज्य स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। प्रशिक्षक हेमंत कुमार विश्वकर्मा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का लक्ष्य आगे जिला और राज्य स्तर के साथ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन करना है। इस शानदार उपलब्धि पर बासौदा ताइक्वांडो क्लब के खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, हादसे के बाद बाइक में लगी आग

दमोह। दमोह के हटा थाना क्षेत्र में दमोह-पन्ना स्टेट हाईवे पर सोमवार रात करीब 11 बजे तेज रफ्तार क्रेटा कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में 23 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद बाइक सड़क से दूर जा गिरी और कुछ देर बाद उसमें आग लग गई। देखते ही देखते बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, हटा थाना क्षेत्र के बिजौरी पाठक निवासी 23 वर्षीय छत्रपाल पिता अंतू लोधी सोमवार रात बाइक से बनगांव की ओर जा रहा था। वह कंजरा गांव के पास पहुंचा ही था कि सामने से आ रही सफेद रंग की क्रेटा कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छत्रपाल बाइक से उछलकर सड़क पर दूर जा गिरा। गंभीर चोटों के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के कुछ देर बाद बाइक में आग लग गई, जिससे वह पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना की सूचना मिलते ही हटा थाना पुलिस की डायल-112 टीम मौके पर पहुंची। एएसआई अरविंद राय और आरक्षक अरविंद राजपूत ने शव को हटा सिविल अस्पताल पहुंचाया। यहां ड्यूटी डॉक्टर आरपी कोरी ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अस्पताल में रखवा दिया है। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। हादसे की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

कच्चे रास्तों पर कीचड़ से थम जाता है आवागमन, स्कूल बसें तक नहीं पहुंचतीं

बारिश में कैद हो जाते हैं भोजपुर के दर्जनों गांव, चार माह टूट जाता है शहरों से संपर्क

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी और दूरदराज के गांवों में बारिश का मौसम किसी मुसीबत से कम नहीं है। कच्चे रास्तों पर कीचड़ और जलभराव के कारण दर्जनों गांवों का करीब चार माह तक आसपास के गांवों और शहरों से संपर्क प्रभावित रहता है। सड़क की हालत इतनी खराब हो जाती है कि स्कूल बसें और अन्य वाहन गांवों तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और ग्रामीणों को जरूरी काम के लिए भी कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। मंडीदीप से सटे पडोनिया, गुराड़िया बखरिया और बरखेड़ा सेतु गांवों में हालात इसकी बानगी हैं। ग्रामीणों के मुताबिक बारिश शुरू होते ही गांवों को जोड़ने वाले कच्चे रास्ते कीचड़ में तब्दील हो जाते हैं। दोपहिया और चारपहिया वाहन चलाना मुश्किल हो जाता है। यही स्थिति औबेदुल्लागंज ब्लॉक के कई अन्य गांवों की भी बताई जा रही है।

बखरिया की जानवती बाई और कमला बाई ने बताया कि वे पिछले 15 वर्षों से गांव में सड़क निर्माण की मांग कर रही हैं जनप्रतिनिधियों से कई बार गुहार लगाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि हर बार आश्वासन तो मिलता है, लेकिन सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल नहीं की गई। बरखेड़ा सेतु की ममता बाई और रानी बाई ने बताया कि बारिश के दौरान बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो जाता है। कीचड़ के कारण स्कूल बसें गांव तक नहीं पहुंचतीं। कई बार बच्चों को स्कूल भेजना ही बंद करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क नहीं होने का सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर पड़ता है।

बरखेड़ा सेतु निवासी राहुल तोमर ने बताया कि सेतु-बरखेड़ा और जोहरिया मार्ग की स्थिति बारिश में बेहद खराब हो जाती है। रास्तों में कीचड़ होने के कारण ग्रामीण अपने वाहन घरों से बाहर नहीं निकाल पाते। चार माह तक वाहन खड़े रहने से उनके कल-पुर्जों में जंग लगने की समस्या भी आती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के अभाव में रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। बारिश में गांव से बाहर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रहता। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा से कई बार सड़क सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग की है, लेकिन अब तक उन्हें आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। विधायक सुरेंद्र पटवा कुंभकरण वाली नींद सो रहे हैं इसी कारण ग्रामीणों में जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री के सामने भी रख चुके हैं समस्या

ग्रामीणों के अनुसार करीब 20 माह पहले झिरी में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सामने भी आदिवासी समाज के लोगों ने सड़क और अन्य समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी थी। इसके बावजूद अब तक हालात में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। चिकलोद से सुल्तानपुर तक यही हाल चिकलोद, बरखेड़ा, गौहरगंज और सुल्तानपुर के आसपास के पहाड़ी आदिवासी गांवों में भी सड़क, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीण प्रेम सिंह का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से एक ही राजनीतिक दल के सांसद और विधायक चुने जाते रहे हैं, इसके बावजूद ग्रामीण अंचलों में अपेक्षित विकास नहीं हुआ। चिकलोद से करीब पांच किलोमीटर दूर पहाड़ी की तलहटी में बसे गांव के मनसुख आदिवासी ने कहा कि ग्रामीण हर चुनाव में विकास की उम्मीद के साथ जनप्रतिनिधियों का समर्थन करते हैं, लेकिन उनकी मूलभूत समस्याएं आज भी बनी हुई हैं।

घर पर फायरिंग से मंडीदीप में फैली दहशत बाइक सवार दो बदमाशों ने चलाई गोलियां

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मंडीदीप शहर की पॉश कॉलोनी इंदिरा नगर में बीते दिन सुबह एक मकान पर बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। लायंस पार्क के सामने हुई इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई। फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन गोली मकान की छत पर लगी रेलिंग के कांच में जा लगी। घटना के बाद पुलिस ने मौके से एक खाली खोखा बरामद किया है। फायरिंग की पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार घटना बीते दिन सुबह करीब 5 से 5.30 बजे के बीच की है। वार्ड-11 स्थित गोलू जाट के मकान के सामने बाइक सवार दो युवक पहुंचे और फायरिंग करने के बाद मौके से फरार हो गए। गोली मकान की छत पर लगी रेलिंग के कांच में लगी। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में भी हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मंडीदीप थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से एक खाली खोखा बरामद किया है। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने दो से अधिक राउंड फायर किए। हालांकि फायरिंग किस वजह से की गई और आरोपितों का मकसद क्या था, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने बताया कि पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले हैं। इसमें मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। प्रारंभिक जांच में घटना हवाई फायरिंग की भी हो सकती है। पुलिस ने दो अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

निचले इलाकों में अलर्ट

बाणसागर के तीन गेट खोले, सोन नदी में छोड़ा जाएगा 304 क्यूमेक्स पानी

शहडोल। दोपहर मेट्रो

बाणसागर बांध के अपस्ट्रीम क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने बीती रात आठ बजे के बाद बांध के तीन रेडियल गेट खोल दिए। गेट नंबर 9, 8 और 7 को क्रमशः खोला गया और प्रत्येक गेट को आधा-आधा मीटर तक खोला गया। गेट खोलने के दौरान जल संसाधन विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। बाणसागर जलाशय का जलस्तर 340.64 मीटर दर्ज किया गया, जो पूर्ण जलभराव स्तर 341.64 मीटर से महज एक मीटर नीचे है। वहीं, बांध में पानी की आवक 2,076 क्यूमेक्स दर्ज की गई। जलस्तर और पानी की लगातार बढ़ती आवक को देखते हुए विभाग ने गेट खोलने का निर्णय लिया। जल संसाधन विभाग, रीवा के मुख्य अभियंता गंगा कछार के निर्देशानुसार खोले गए तीनों गेटों से स्पिलवे के माध्यम से करीब 304 क्यूमेक्स पानी सोन नदी में छोड़ा जाएगा। पानी छोड़े जाने के बाद सोन नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए नदी के निचले क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। विभाग ने मैदानी अमले को अलर्ट रखते हुए अपने-अपने स्तर पर आवश्यक सूचना और सतर्कता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, बाणसागर बांध के अपस्ट्रीम में डूब क्षेत्र से लगे इलाकों में रहने वाले लोगों से जलभराव और नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सावधानी बरतने की अपील की गई है। प्रशासन ने लोगों से सोन नदी और बाणसागर जलाशय के आसपास जाने से बचने तथा नदी पार करने का प्रयास नहीं करने की अपील की है। अधिकारियों द्वारा बांध के जलस्तर, पानी की आवक और गेटों से छोड़े जा रहे पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मेट्रो एंकर | आदिवासी संस्कृति का उत्सव में कलाकारों ने बिखेरी लोक संस्कृति की छटा

हजारों कांवड़ियों का निकला कारवां, हर-हर महादेव से गूंजा नर्मदापुरम

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

श्रावण के अंतिम सोमवार को नर्मदापुरम की सड़कें आस्था, भक्ति और आदिवासी संस्कृति के रंग में रंगी नजर आईं। रिमझिम बारिश के बीच हजारों कांवड़ियों का कारवां निकला तो शहर में हर ओर 'हर-हर महादेव' और 'बम भोले' के जयघोष गूंजते रहे। पीली साड़ियों में सजी आदिवासी महिलाओं की कतारें और ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते कलाकार यात्रा का खास आकर्षण रहे।

प्राचीन आदिवासी शिव मंदिर समिति, एसपीएम गेट नंबर तीन के तत्वावधान में जिले की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा सोमवार को सुबह सर्किट हाउस घाट से शुरू हुई। कांवड़ियों ने नर्मदा जल भरा और शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए प्राचीन आदिवासी शिव मंदिर पहुंचे। यहां भगवान शिव का नर्मदा जल से अभिषेक किया गया। इसके बाद महाआरती और महाप्रसादी का आयोजन हुआ। यात्रा में आदिवासी महिलाओं की बड़ी भागीदारी रही। पीली साड़ियों के ड्रेस कोड में कांवड़ लेकर चलती महिलाओं की लंबी कतारें आकर्षण का केंद्र बनीं। बारिश भी श्रद्धालुओं के उत्साह को नहीं रोक सकी। पूरे रास्ते भक्ति गीतों और महादेव के जयकारों से वातावरण शिवमय बना रहा।

सतरस्ता पर बनाए गए मंच पर मध्यप्रदेश के साथ तेलंगाना, झारखंड, गुजरात, अलीराजपुर, झाबुआ, घोड़ाडोंगरी, सारणी, बैतूल, तामिया, छिंदवाड़ा और परासिया से आए आदिवासी कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी। धार के भील भगोरिया और कोमू कोया ट्राइबल डांस ने विशेष रूप से दर्शकों का ध्यान खींचा। कलाकारों की प्रस्तुतियां देखने सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में शहरवासी जुटे। कांवड़ यात्रा में नंदी पर सवार भगवान शिव-पार्वती की झांकी के साथ शिव के विभिन्न स्वरूपों की झांकियां शामिल रहीं। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने यात्रा की भव्यता बढ़ा दी। इंदिरा चौक, सतरस्ता और अन्य स्थानों पर सामाजिक संगठनों व नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया।आयोजन की व्यवस्थाओं में राकेश तुमराम, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी वीरेश तुमराम, मंजू ध्रुवे, अशोक कुशराम, राजेंद्र मेहरा, मुकेश पटेल, अनुपम स्वामी, अविनाश तुमराम और पंकज पांडे सहित समिति के सदस्यों ने सहयोग किया। इंदिरा चौक पर व्यापारी संघ, सतरस्ता पर पं. पीयूष शर्मा व काली कमेटी के प्रकाश शिवहरे, कुचबंदिया समाज, नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश बाथरे, धर्मेंद्र तिवारी, तथास्तु फाउंडेशन तथा एसपीएम गेट नंबर चार पर पूर्व पार्षद मुकेश पटेल सहित विभिन्न संगठनों ने स्वागत किया। पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधि भी यात्रा में शामिल रहे तथा मार्ग में व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। श्रावण के अंतिम सोमवार को निकली इस यात्रा में धर्म और आदिवासी लोक संस्कृति का ऐसा संगम दिखा, जिसने नर्मदापुरम की सड़कों को आस्था के साथ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के रंग में भी रंग दिया।

न्यूज विंडो

बाइक मवेशी से टकराई, पति-पत्नी व मां घायल, भर्ती

तेंदूखेड़ा। हाईवे व नगर की सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशी ओर उनके झुंड हादसों के कारण बन रहे हैं और खुद भी शिकार हो रहे हैं लेकिन इस और शासन प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है आज भी मवेशी से टकराने से तीन लोगों के घायल होने का मामला सामने आया है जहां थाना क्षेत्र के अंतर्गत जबलपुर मार्ग पर स्थित 27 मील के पास एक बाइक सवार मवेशी से टकराने से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जिनका इलाज जारी है घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार नगर के चौराई में रहने वाले रोहित रजक अपनी पत्नी की सोनोग्राफी कराने के जबलपुर गए थे जहां से वापस लौटते समय हादसे के शिकार हो गए हादसे में मोनिका पति रोहित रजक उम्र 22 वर्ष कृष्ण पति अर्जुन रजक उम्र 45 वर्ष रोहित पिता अर्जुन रजक उम्र 24 वर्ष है जो चौराई में वार्ड क्रमांक 14 के निवासी हैं जिनका इलाज स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है रोहित ने बताया कि वह अपनी पत्नी की सोनोग्राफी कराने के लिए सुबह जबलपुर गया था साथ में अपनी मां को भी ले गए थे जबलपुर से वापस आते समय यह हादसा हुआ है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

बेटी का शव देख फूट-फूटकर कर रोए पिता, बेटे की भी हालत गंभीर

सीधी। सीधी में राखी के पहले एक बहन अपने भाई से सदा के लिए बिछुड़ गई। वाहन हादसे ने उसकी जान ले ली। दुर्घटना में भाई भी घायल हो गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। कठर्रा के पास एक बस ने बच्चों से भरे स्कूल ऑटो को टक्कर मार दी। इससे छात्रा सगुन की की जान चली गई। उसका भाई स्वास्तिक(4) और एक अन्य छात्रा भी घायल हो गई। बेटी सगुन की जान जाने और बेटे के घायल हो जाने पर पिता फूट-फूटकर कर रोए। मंगलवार को सुबह भी सपही स्थित उनके घर पर मातम पसरा है। कठर्रा के पास तेज रफ़्तार बस ने स्कूल जा रहे बच्चों से भरे ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी। बस की जोरदार टक्कर के बाद ऑटो पलट गया। इस हादसे में

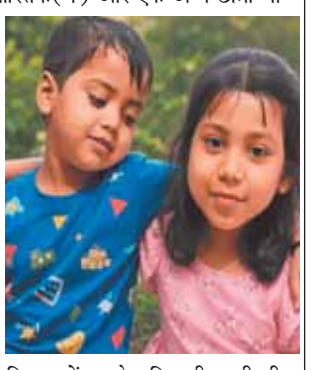

ऑटो में सवार छात्रा सगुन (7) पिता सुखेंद्र साकेत निवासी सपही की जान चली गई, जबकि उसका भाई स्वास्तिक(4) गंभीर घायल और एक अन्य छात्रा सुरभि साकेत भी घायल हो गई। उनको तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, कुबरी गांव स्थित सरस्वती ज्ञान मंदिर में पढ़ने वाले बच्चों को सोमवार सुबह बजे ऑटो चालक सोनू यादव लेकर स्कूल जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही बस ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायल बच्चों को जिला अस्पताल पहुंचाया। मामले में टीआइ राजेश पांडेय ने बताया, बस जब्त कर चालक की तलाश की जा रही है। हादसे के बाद ऑटो चालक फरार हो गया। परिजनों ने बताया कि हादसे के बाद सगुन साकेत को भी तुरंत अस्पताल ले गए थे लेकिन उसने दम तोड़ दिया। भाई स्वास्तिक की हालत अभी भी गंभीर है। बेटी की याद और बेटे की गंभीर हालत को देखकर पिता सुखेंद्र साकेत रो रहे हैं। हादसे के दूसरे दिन मंगलवार को भी उनके घर में शोक और सन्नाटा पसरा है जबकि पूरा शहर रक्षाबंधन के महापर्व की तैयारी में लगा है। परिजनों ने बताया कि पिता सुखेंद्र को गहरा सदमा लगा है। बस को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश की जा रही हैहादसे के बाद ऑटो चालक भी फरार हो गया। बहरी थाना प्रभारी राजेश पांडे ने बताया कि बस को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस टीम ऑटो चालक को भी ढूंढ रही है।

मां ने 50 हजार में बेची नाबालिग बेटी, दो महीने तक होता रहा दुष्कर्म

धार। जिले के धामनोद में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक मां ने अपनी नाबालिग बेटी को महज 50 हजार रुपये में एक व्यक्ति के हाथों बेच दिया और फिर दो महीने तक पीड़िता के साथ दुष्कर्म होता रहा। पीड़िता के बयान और पुलिस की दस्तयाबी के बाद धामनोद थाने में पोक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। दोनों आरोपियों मां और खरीदार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार 26 अप्रैल की दोपहर करीब 2 बजे आरोपी मां सुनिताबाई पति दयाराम शिंदे निवासी करोंदिया बुजुर्ग खरगोन अपनी नाबालिग बेटी को झांसा देकर धामनोद की मिठास कॉलोनी में पुरुषोत्तम पिता भागीरथ पाटीदार के घर ले गई। वहां 50 हजार रुपये के लालच में मां ने बेटी को पुरुषोत्तम के सुपुर्द कर दिया और खुद वहां से चली गई। पीड़िता के बयानों के मुताबिक, आरोपी पुरुषोत्तम ने उसे अपने घर पर जबरन रोककर रखा और पिछले दो महीनों से लगातार दुष्कर्म करता रहा। 26 जून की सुबह करीब 11 बजे पीड़िता मौका पाकर आरोपी के घर से छुपकर निकलने में कामयाब रही और सीधे बस स्टैंड पहुंची, जहां उसे संदीप नाम का व्यक्ति मिला। पीड़िता संदीप के साथ बस में बैठकर गुजरात के चोटिला गांव चली गई, जहां से बाद में उसकी दस्तयाबी हुई। पुलिस ने 23 अगस्त को पीड़िता को तलाश कर धामनोद लाया, जहां उसके बयान दर्ज किए गए और पूरा मामला सामने आया। थाने पर पीड़िता की बरामदगी और बयान दर्ज करने के बाद धामनोद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियोंसुनिताबाई शिंदे और पुरुषोत्तम पाटीदार,के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी। 26 जून को थाना धामनोद पर मां द्वारा बेटी के अपहरण का मामला पंजीकृत कराया गया था; पीड़िता के बयान के आधार पर उसकी मां और जिस व्यक्ति को बेचा गया था, दोनों के खिलाफ अपराध धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया और दोनों की गिरफ्तारी कर ली गई।

नगर निगम परिषद की बैठक में जलप्रदाय, राजस्व और विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

कर्मचारियों को समय पर वेतन के लिए सतत प्रयास जारी रहेंगे: महापौर तिवारी

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर पालिक निगम सागर की परिषद की महत्वपूर्ण बैठक निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में महापौर संगीता सुशील तिवारी, निगम आयुक्त राजकुमार खत्री, एमआईसी सदस्य, पार्षद एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का प्रारंभ राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कुछ मुद्दों को लेकर विपक्षी पार्षद अध्यक्ष की आसंदी के सामने धरना देकर हंगामा किया।

परिषद की बैठक में जलप्रदाय व्यवस्था, राजस्व वसूली, स्वच्छता, पार्क एवं मार्गों के नामकरण, प्रधानमंत्री आवास योजना, निगम कर्मचारियों तथा विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई और जनहित में कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना और नगर का समग्र विकास निगम की प्राथमिकता है। निगम कर्मचारियों को समय पर वेतन मिल सके, इसके लिए भी निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना आवश्यक है। परिषद में लिए गए निर्णयों के माध्यम से जलप्रदाय, राजस्व, स्वच्छता और विकास कार्यों को नई गति देने का प्रयास किया गया है। नगर के विकास और निगम कर्मचारियों को समय पर वेतन सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रयास करना मेरी जिम्मेदारी है। निगम अध्यक्ष अहिरवार ने कहा कि परिषद द्वारा लिए गए निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए निगम की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने, राजस्व बढ़ाने और शहर के समग्र विकास को गति देने के लिए हम सभी मिलकर निरंतर प्रयास करेंगे। परिषद में पार्षदों द्वारा उठाए गए जनहित के विषयों पर आवश्यक निर्णय लेकर नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

विभिन्न वार्डों में संचालित सामुदायिक शौचालयों के संचालन एवं संधारण के संबंध में वर्ष 2017 के अनुबंध के अनुसार वर्तमान दरों में 30 प्रतिशत की वृद्धि किए जाने संबंधी प्रस्ताव पर परिषद ने सहमति प्रदान की। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत निर्मित सामुदायिक शौचालयों में नगर निगम की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए सफाई एवं संधारण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।

नए जल कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं को राहत

सागर जलप्रदाय उन्नयन योजना प्रोजेक्ट-6 बी के अंतर्गत नए जल कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं के संबंध में महत्वपूर्ण राहत का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके तहत नवीन जल कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से केवल निर्धारित जलकर लिया जाएगा तथा कोई अतिरिक्त पेनल्टी आरोपित नहीं की जाएगी। 27 पार्कों में से एक का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर शहर में चिन्हित किए गए 27 पार्कों में से एक पार्क का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर करने का निर्णय परिषद द्वारा पारित किया गया। साथ ही एक पार्क में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापित किए जाने संबंधी प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

टाटा प्रोजेक्ट को जलप्रदाय कार्य से अलग कर निगम को सौंपने का निर्णय

जलप्रदाय व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करते हुए परिषद ने टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड को जलप्रदाय योजना के संचालन एवं संधारण के कार्य से पृथक कर नगर निगम द्वारा पूर्ववत जलप्रदाय योजना का संचालन एवं संधारण किए जाने संबंधी प्रस्ताव पारित किया। जलप्रदाय योजना के संचालन एवं संधारण में सामने आई अनियमितताओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में जलप्रदाय व्यवस्था के संचालन एवं संधारण पर लगभग 85 लाख रुपये प्रतिमाह व्यय हो रहा है। नगर निगम द्वारा व्यवस्था अपने हाथ में लेने के बाद यह व्यय लगभग 50 से 55 लाख रुपये प्रतिमाह रहने का अनुमान है। इस प्रकार निगम को लगभग 30 से 35 लाख रुपये प्रतिमाह की बचत होने की संभावना है। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा सत्यापित राशि तथा संचालन एवं संधारण कार्य की विद्युत देयक राशि सहित कुल लगभग 26.42 करोड़ रुपए की राशि के भुगतान के संबंध में गठित समिति के प्रतिवेदन के आधार पर 15वें वित्त आयोग की राशि से भुगतान किए जाने संबंधी प्रस्ताव को पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया गया। परिषद में शासन द्वारा किए गए पत्राचार एवं विभिन्न निर्देशों की जानकारी सभी पार्षदों तक नियमित रूप से पहुंचाने संबंधी प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसमें मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान से संबंधित जानकारी भी शामिल रहेगी।

अर्चना दुर्गेश यादव को ब्लॉक कांग्रेस औबेदुल्लागंज में सचिव की जिम्मेदारी

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस संगठन में अर्चना दुर्गेश यादव को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी औबेदुल्लागंज का सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। अर्चना यादव की सक्रियता, संगठन के प्रति निष्ठा, मेहनत और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि वे पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। नई जिम्मेदारी मिलने पर अर्चना दुर्गेश यादव ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन के हित में पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं के सहयोग से ब्लॉक क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

भोजशाला में नमाज के विरोध में बाजार रहा बंद

धार। दोपहर मेट्रो

धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले में कोर्ट के निर्देशों का पूर्णतः पालन कराने की मांग को लेकर सकल हिंदू समाज द्वारा आहूत धार जिला बंद का व्यापक असर देखने को मिला। धार शहर सहित सरदारपुर, कुक्षी, बदनावर, मनावर और पीथमपुर जैसे ग्रामीण व औद्योगिक अंचलों में व्यावसायिक प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रहे।

सुबह से ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और व्यापारियों से शांतिपूर्ण ढंग से दुकानें बंद रखने का अनुरोध किया। बंद का मिला-जुला और असरदार प्रभाव समूचे जिले में देखा गया। आम जनता को असुविधा न हो, इसके लिए स्कूल, कॉलेज, पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर और स्वास्थ्य एवं आपातकालीन सेवाओं को बंद से पूरी तरह मुक्त रखा गया है, जिससे दैनिक जीवन पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े। हिंदू समाज भोजशाला के पास स्थित खसरा नंबर 612 की भूमि पर प्रत्येक शुक्रवार को होने वाली जुमे की

नमाज की व्यवस्था का विरोध कर रहा है। समाज का कहना है कि नमाज के लिए की गई व्यवस्था को समाप्त कर कोर्ट के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाए। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीएसपी शशांक गुर्जर के नेतृत्व में शहरभर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सीएसपी ने नागरिकों से अफवाहों से बचने की अपील की है और चेतावनी दी है कि जबरन दुकान बंद कराने या उपद्रव करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सकल हिंदू समाज के तय कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 1 बजे कार्यकर्ता लालबाग परिसर में एकत्र होंगे, जहां से वे रैली के रूप में जाकर जिला प्रशासन को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे।

अतिक्रमण को लेकर छात्राएं सड़क पर उतरीं हाईवे पर लगाया जाम तो प्रशासन ने हटवाया कब्जा

सागर। दोपहर मेट्रो

देवरी विकासखंड के रसेना गांव की शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल के विद्यार्थी सड़कों पर उतर आए। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं (जैन अल्फा) ने स्कूल भवन निर्माण, पीने के पानी की समस्या और स्कूल परिसर के आसपास किए अतिक्रमण के विरोध में महाराजपुर-सहजपुर स्टेट हाइवे पर चक्काजाम कर दिया।

छात्र-छात्राओं का आरोप था कि वर्तमान में स्कूल खाद्य विभाग के गोदाम में संचालित हो रहा है। स्कूल के आसपास और शासकीय नल पर भी अतिक्रमण है, जिससे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जाम के कारण वाहनों का आवागमन बंद हो गया और लोग परेशान होते रहे। विरोध कर रहीं छात्राओं का कहना है कि स्कूल के हैंडपंप पर बेजा कब्जा कर फेंसिंग कर

ली, उन्हें पीने के पानी की कोई सुविधा नहीं है। स्कूल भवन न होने के कारण बैठने की व्यवस्था नहीं है, 2 साल से परेशान हैं लेकिन उनकी समस्याओं को कोई सुनने वाला नहीं है। चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने छात्रों से चर्चा कर स्थिति को समझा और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए विवाद और झड़प की स्थिति पैदा कर दी। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को सख्ती बरतनी पड़ी। पुलिस ने विरोध कर रहीं महिलाओं को कस्टडी में लिया, जिसके बाद जेसीबी मशीन की मदद से मौके से अतिक्रमण हटाया। स्कूल के प्रभारी प्राचार्य प्रभात लोधी का कहना है कि 2 साल पहले स्कूल बिल्डिंग के लिए 2 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे लेकिन अब तक बिल्डिंग नहीं बनी है। 4 कमरों की एक गोदाम में हायर सेकंडरी स्कूल के 512 बच्चे दो पालियों में अध्ययन हैं।

राहतगढ़ के कठोला फाजलपुर गांव में हुई वारदात

खेत में बकरी चराने के विवाद में जीजा-साले ने दो आदिवासियों की हत्या की

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले के राहतगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कठोला फाजलपुर में खेत की मेढ़ की पुरानी रंजिश और खेत में बकरी चराने को लेकर उपजे विवाद ने हत्याकांड का रूप ले लिया। पड़ोसी परिवार के लोगों ने मिलकर कुल्हाड़ी और लाठियों से हमला कर दो आदिवासियों की बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि खेत में बकरियां घास चर रही थीं, तभी खूनी हमला हुआ। राहतगढ़ थाना प्रभारी मुकेश सिंह ने बताया कि ग्राम कठोला फाजलपुर निवासी पूरन आदिवासी (65) और बाबूलाल आदिवासी (45) अपने खेत के पास बकरियां चरा रहे थे। इसी दौरान खेत की मेढ़ को लेकर पड़ोस में रहने वाले खेमचंद अहिरवार से उनकी कहासुनी शुरू हो गई। खेमचंद, उसकी पत्नी और उसका साला रामस्वरूप अहिरवार कुल्हाड़ी और लाठियां लेकर पहुंचे और दोनों आदिवासियों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पूरन और बाबूलाल के सिर, हाथ, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार किए। दोनों लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। जब वे मरणासन्न अवस्था में पहुंच गए, तब आरोपी मौके से भाग निकले। गंभीर चोटों के कारण दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों परिवारों के खेत आपस में लगे हुए हैं। इनके बीच मेढ़ की जमीन को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा था। वारदात की जानकारी पुलिस को देर से मिली, जिसके बाद टीम घटनास्थल पर पहुंची। शाम स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। पुलिस ने आरोपी खेमचंद अहिरवार, उसकी पत्नी और साले रामस्वरूप अहिरवार के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छात्राओं को दीं अनेक सौगातें

रायसेन में शिवराज सिंह ने दिए बड़े संदेश, बोले- आर्थिक तंगी से बेटी की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए

रायसेन। दोपहर मेट्रो

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से बेहतर हों, बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिले। इसी लिए सांदीपनि विद्यालय शुरू किए गए हैं। बैंकिंग, एमपीपीएससी, कर्मचारी चयन मंडल समेत कई परीक्षाओं के लिए रायसेन में मामा कोचिंग शुरू की जाएगी। आर्थिक कारणों से किसी भी बेटी की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

क्षेत्रीय सांसद एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को रायसेन के दौरे पर थे। उन्होंने सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण किया और विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशाला में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया तथा शिक्षकों से अध्यापन संबंधी जानकारी ली। चौहान ने कहा कि रायसेन को शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सौगात मिली है। सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से बेहतर हों, बच्चों को

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए सांदीपनि विद्यालय शुरू किए गए हैं। उन्होंने बच्चों से चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। अपनी क्षमता को पहचानें तथा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करें। शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम में एमपी बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए गए। इस दौरान विधायक प्रभुराम चौधरी, सुरेंद्र पटवा, भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, नपाध्यक्ष सविता सेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी मौजूद रहे। कृषि मंत्री चौहान ने कन्या महाविद्यालय भी गए। जहां अजीम प्रेजमी स्कॉलरशिप योजना के तहत छात्राओं को फार्म भरने में सुविधा के लिए हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं छात्रा दीक्षा का अजीम प्रेजमी स्कॉलरशिप योजना के तहत आवेदन करने की प्रकिया पूर्ण कराई।

कार्यालय सहायक संचालक उद्यान कुठार-प्रक्षेत्र भोपाल - मध्यप्रदेश

शासकीय गुलाब उद्यान परिसर 1250 लिंक रोड नं. 01 तुलसी नगर भोपाल म.प्र.
E-mail: adhkuthar.bpl@mp.gov.in

कमांक/उद्यान/भंण्डार/ नीलामी/2026-27/352 भोपाल, दिनांक: 20-08-26

// नीलामी सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासकीय उद्यानिकी कुठार प्रक्षेत्र भोपाल में अमरूद फलबहार एवं शासकीय मॉडल रोपणी कान्हासैंया भोपाल में अमरूद फलबहार वर्ष 2026-27 की नीलामी की जाना है। क्रय करनें हेतु इच्छुक व्यक्ति / संस्थान खुली बोली दिनांक 08.09.2026 कार्यालयीन समय दोपहर 03:00 बजे कार्यालय सहायक संचालक उद्यान कुठार प्रक्षेत्र, शासकीय गुलाब उद्यान परिसर 1250 लिंक रोड़ नं0 01 तुलसी नगर भोपाल में उपस्थिति होकर खुली बोली लगा सकतें है। खुली बोली/नीलामी संबंधित प्रपत्र एवं शर्तें नीलामी / खुली बोली की दिनांक 08.09.2026 से पूर्व दोपहर 11 बजे कार्यालयीन समय में अवकाश के दिनों को छोड़कर, 100 रूपये प्रति फार्म कार्यालय सहायक संचालक उद्यान कुठार प्रक्षेत्र भोपाल, शासकीय गुलाब उद्यान परिसर 1250 लिंक रोड़ नं0 01 तुलसी नगर भोपाल एवं शासकीय उद्यानिकी प्रक्षेत्र कुठार, ग्राम-कुठार भोपाल से प्राप्त किये जा सकतें है। नीलामी/खुली बोली की शर्तें/जानकारी कार्यालय सहायक संचालक उद्यान कुठार प्रक्षेत्र शासकीय गुलाब उद्यान परिसर 1250 लिंक रोड़ नं0 01 तुलसी नगर भोपाल से प्राप्त की जा सकती है। नीलामी / खुली बोली दिनांक 08.09. 2026 को कार्यालयीन समय दोपहर 03 बजे से नीलामी खुली बोली समिति के सदस्यों की उपस्थिति में तथा व्यापारियों/प्रतिनिधी के समक्ष खुली बोली की जावेगी। बोलीकर्ता व्यापारी द्वारा फलबहार नीलामी की धरोहर राशि बैंकर्स चैक/बैंक ड्राफ्ट/नगद के रूप में जमा की जा सकेंगी। बैंकर्स चैक / बैंक ड्राफ्ट/ नगद की रसीद नीलामी फार्म के साथ संलग्न की जानें पर ही नीलामी की बोली मान्य की जावेंगी।

क्र	उद्यान का नाम	पौधो की स्थापना	फसल का नाम	कुल पौध संख्या	फलित	अर्ध फलित	धरोहर राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	शासकीय उद्यानिकी प्रक्षेत्र कुठार भोपाल	पूर्व रोपित	अमरूद	1000	540	0	10000/-
		नवीन रोपित	अमरूद	1100	800	0	
2	शा. मॉ. रोपणी कान्हासैंया भोपाल	पूर्व रोपित	अमरूद	220	95	50	5000/-
	योगः-			1330	1435	50	

नीलामी की शर्तें से संबंधित अन्य जानकारी के लिये निम्न स्थानों पर कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है। संपर्क सूत्रः- प्रभारी अधिकारी मोबाईल नम्बर 7869512442, 9907658604, एवं 9329169250, 9826264685, कार्यालय कुठार प्रक्षेत्र शासकीय गुलाब उद्यान परिसर 1250 लिंक रोड नं. 01 तुलसी नगर भोपाल।

सहायक संचालक उद्यान
कुठार प्रक्षेत्र
भोपाल मध्यप्रदेश

जी-17640/26

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ ने तोड़ा महिलाओं का सेमीफाइनल का सपना

पदक से बस एक कदम दूर रह गया भारत आंसुओं में डूबा हॉकी विश्व कप का सफर

एम्सटेलवीन एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम का विश्व कप में पदक जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे चरण का मुकाबला गोलरहित ड्रॉ रहने के बावजूद भारतीय टीम गोल गणना के आधार पर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। जैसे ही मुकाबले का हूटर बजा, मैदान पर भारत की खिलाड़ियों के चेहरों पर निराशा साफ दिखाई देने लगी। डगआउट में बैठीं अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया और बिछू देवी अपने आंसू नहीं रोक सकीं। वहीं पहली बार विश्व कप खेल रहीं इशिका चौधरी को कुछ देर तक यकीन ही नहीं हुआ कि पदक के इतने करीब पहुंचने के बाद टीम का सफर खत्म हो गया।

मैच खत्म होने के बाद भारतीय खिलाड़ियों की आंखें लाल थीं और चेहरे उनकी पीड़ा बयां कर रहे थे। मैदान से बाहर निकलकर टीम बस का इंतजार कर रही खिलाड़ियों के बीच मायूसी साफ नजर आई। मुख्य कोच शोर्ड मारिन भी मीडिया से बातचीत के दौरान अपनी उदासी छिपा नहीं सके। टीम के वैज्ञानिक सलाहकार और एथलीट प्रदर्शन प्रमुख वेन लोम्बार्ड के साथ सीनियर खिलाड़ी पहली बार विश्व कप खेलने वाली खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते नजर आए। भारतीय टीम में 11 खिलाड़ी ऐसी हैं, जिनका यह पहला विश्व कप है। इन खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया और टीम को सेमीफाइनल की दहलीज तक पहुंचाया। ऐसे में बाहर होने का दर्द उनके लिए और भी ज्यादा था। सीढ़ियों पर बैठकर अपनी मां से फोन पर बात कर रही एक खिलाड़ी ने भावुक होकर कहा कि यह उनके लिए सबसे अच्छा मौका था। टीम पदक के बेहद करीब पहुंच गई थी, लेकिन अब यह मौका दोबारा कब मिलेगा, इसका कोई भरोसा नहीं।

सविता के पास भी नहीं थे शब्द

भारत की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल सविता पूनिया तीसरी बार विश्व कप खेल रही हैं। मुकाबले के बाद वह काफी देर तक चुपचाप खड़ी रहीं। उनसे जब प्रतिक्रिया मांगी गई तो वह केवल इतना कह सकीं कि यह टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ मौका था। उनकी आवाज और चेहरे की मायूसी में हार का दर्द साफ झलक रहा था। अनुभवी मिडफील्डर नेहा गोयल भी भावुक नजर आईं। उनकी आंखों से आंसू लगातार बह रहे थे। जब उनसे कहा गया कि अब एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इस निराशा को पीछे छोड़ना होगा, तो उन्होंने केवल सिर हिलाकर हामी भरी। वह उस समय कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं थीं। भारतीय महिला हॉकी टीम का विश्व कप में पदक का इंतजार काफी पुराना है। टीम ने विश्व कप में अब तक कभी पदक नहीं जीता है। उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में फ्रांस में खेले गए पहले विश्व कप में रहा था, जहां भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही थी। अब भारतीय टीम के पास इस इतिहास को बेहतर करने का मौका है। टीम 27 अगस्त को पांचवें और छठे स्थान के लिए मुकाबला खेलेगी। यदि भारत यह मुकाबला जीतता है तो वह विश्व कप में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी या उससे बेहतर स्थिति हासिल कर सकता है।

कप्तान सलीमा ने माना, मौके भुनाने होंगे

कप्तान सलीमा टेटे ने मैच के बाद माना कि टीम पदक के इतने करीब पहुंचकर बाहर होने से खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने इसके लिए बहुत मेहनत की थी और टीम ने अच्छा हॉकी खेला, लेकिन मौके को गोल में बदलने में नाकाम रही। सलीमा ने कहा कि टीम हार में भी एकजुट रहती है और जीत में भी। इस टूर्नामेंट ने खिलाड़ियों को यह सीख दी है कि बड़े मुकाबलों में मिलने वाले किसी भी मौके को गंवाना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि अब टीम का ध्यान पांचवें स्थान के मुकाबले पर है और खिलाड़ी पूरी ताकत के साथ वापसी करेंगी।

हार के बावजूद नहीं टूटा जुझारूपन

सेमीफाइनल से बाहर होने के बावजूद भारतीय टीम का हौसला पूरी तरह टूटा नहीं है। कप्तान सलीमा ने साफ किया कि टीम ने अभी तक जुझारूपन नहीं छोड़ा है और आखिरी मुकाबले में भी वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। विश्व कप का पदक भले ही इस बार भारत की पहुंच से दूर रह गया, लेकिन युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से भविष्य की उम्मीद जरूर जगाई है। 11 खिलाड़ियों के लिए यह पहला विश्व कप था और उन्होंने दबाव के बीच टीम को अंतिम चार की दौड़ तक पहुंचाया। अब पांचवें स्थान के मुकाबले में भारतीय टीम जीत के साथ टूर्नामेंट का अंत करना चाहेगी, ताकि इस निराशा को आगे की बड़ी चुनौतियों के लिए ताकत में बदला जा सके।

सिनसिनाटी में फांस का जलवा!

आर्थर फिल्स ने टियाफो को रौंदकर रचा इतिहास, गॉफ ने भी जीता खिताब

सिनसिनाटी, एजेंसी

सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में आर्थर फिल्स ने शानदार वापसी करते हुए फ्रांसेस टियाफो को मात देकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। फ्रांस के 21वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो सेट के बाद मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में मोड़ दिया और अमेरिकी खिलाड़ी को निर्णायक सेट में एक भी गेम नहीं जीतने दिया।

फाइनल की शुरुआत फिल्स के पक्ष में रही। उन्होंने शुरुआती गेमों में आक्रामक टेनिस खेलते हुए 3-0 की बढ़त बनाई। टियाफो ने स्कोर बराबर करने की कोशिश की, लेकिन फिल्स ने बेसलाइन से लगातार दबाव बनाए रखा। 5-3 पर पहुंचने के बाद फ्रांसीसी खिलाड़ी ने शानदार सर्विस गेम खेला और लगातार तीन ऐस लगाकर पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।

टियाफो ने दूसरे सेट में की जोरदार वापसी

दूसरे सेट में मुकाबले की तस्वीर बदल गई। टियाफो ने फिल्स की सर्विस तोड़कर शुरुआत में ही बढ़त हासिल कर ली। अमेरिकी खिलाड़ी ने अपने फोरहैंड का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए लगातार अंक जुटाए और फिल्स को दबाव में डाल दिया। देखते ही देखते टियाफो ने दूसरा सेट 6-1 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में फिल्स ने ऐसी वापसी की, जिसने फाइनल का पूरा रुख बदल दिया। उन्होंने टियाफो की बैकहैंड से हुई गलतियों का फायदा उठाते हुए दो बार सर्विस ब्रेक की और 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली। उनकी रफ्तार, ताकत और सटीकता के सामने टियाफो लगातार संघर्ष करते नजर आए।

ऋषभ पंत ने कोलंबो में रचा इतिहास,

धोनी का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा; चोट के बाद भी बल्ले से दिखाया दम

कोलंबो, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में ऋषभ पंत ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी के लिए उतरते ही पंत ने विदेशी धरती और न्यूट्रल मैदानों पर भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया। पंत के नाम विदेशी मैदानों पर अब 2,496 रन से ज्यादा हो गए हैं, जबकि धोनी ने अपने करियर में घर से बाहर 2,496 रन बनाए थे। इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पंत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने बेहद कम समय में भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल विकेटकीपर बल्लेबाजों में अपनी जगह मजबूत की है।

चोट के बावजूद मैदान पर लौटे

पंत का दूसरे दिन मैदान पर उतरना भी कम खास नहीं रहा। मुकाबले के पहले दिन लाहिरू कुमारा की तेज और उछाल लेती गेंद उनकी कलाई पर जा लगी थी। गेंद लगते ही पंत दर्द में दिखाई दिए और कुछ समय उपचार लेने के बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। ऐसे में दूसरे दिन दोबारा बल्लेबाजी के लिए लौटकर पंत ने अपनी फिटनेस और जुझारू रवैये का परिचय दिया। सारांश जैन के आउट होने के बाद पंत क्रीज पर पहुंचे और ध्रुव जुरेल के साथ भारतीय पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाई।

भारत से भिड़ने के लिए अफगानिस्तान ने किया टीम का ऐलान, जादरान होंगे कप्तान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अपनी कमर कस ली है। 24 अगस्त यानी सोमवार को अफगानिस्तान ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज 13 से 17 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। टीम की कप्तानी इब्राहिम जादरान के कंधों पर होगी। इब्राहिम जादरान के लिए भारत के खिलाफ बतौर कप्तान खुद को साबित करने का बेहतरीन मौका है। साल 2028 में होने वाले टी20 वर्लड कप से पहले जादरान टीम के लिए अधिक से अधिक मैच जीतने की कोशिश करेंगे। कंधे की चोट की वजह से लंबे समय तक बाहर रहे तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक पूरी तरह फिट होकर लौट आए हैं। उनके आने से अफगानिस्तान की तेज गेंदबाजी को नई धार मिलेगी।

153.6 किलोमीटर की रफ्तार से मचा तूफान, कार्तिक की गेंद ने उड़ा दिया प्रिंस का विकेट!

नई दिल्ली , एजेंसी

उत्तर प्रदेश टी-20 लीग 2026 में युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपनी तूफानी रफ्तार से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। मेरठ मावेरिक्स और गोरखपुर लायंस के बीच खेले गए मुकाबले में त्यागी ने 153.6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डालकर सनसनी मचा दी। उनकी यह गेंद सीधे विकेट पर लगी और बल्लेबाज को पवेलियन लौटना पड़ा।

गोरखपुर लायंस की पारी के दौरान प्रिंस यादव बल्लेबाजी कर रहे थे। कार्तिक त्यागी ने तेज गति से गेंद डाली, जिसे संभालना प्रिंस के लिए मुश्किल साबित हुआ। गेंद ने उन्हें चौंकाते हुए विकेट हासिल कर लिया। प्रिंस यादव भी भारतीय सीमित ओवरों की क्रिकेट में खेल चुके हैं और अपनी तेज गेंदबाजी के लिए पहचाने जाते हैं। ऐसे में उनका त्यागी की तूफानी गेंद का शिकार बनना मुकाबले का सबसे चर्चित पल रहा। इस विकेट को और खास बनाया मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू सिंह ने। प्रिंस यादव के बल्ले से निकली गेंद को रिंकू ने शानदार अंदाज में लपक लिया। इस तरह एक भारतीय खिलाड़ी की तेज गेंद का शिकार दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने और कैच भी भारतीय खिलाड़ी ने ही पकड़ा।

पहले भी दिखा चुके हैं रफ्तार का जलवा

कार्तिक त्यागी इससे पहले भी अपनी गति का कमाल दिखा चुके हैं। 21 अगस्त को नोएडा किंग्स के खिलाफ उन्होंने करीब 149 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से खतरनाक यॉर्कर डालकर शौर्य सिंह का मिडिल स्टंप उड़ा दिया था। उस मुकाबले में त्यागी ने तीन विकेट लेकर मेरठ की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2026 में भी त्यागी का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने 13 मुकाबलों में 18 विकेट हासिल किए। उनकी गेंदबाजी की गति के साथ निरंतरता भी देखने को मिली। लगातार तेज गति से गेंदबाजी और अहम मौकों पर विकेट निकालने की क्षमता ने कार्तिक त्यागी को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। उत्तर प्रदेश टी-20 लीग में उनका प्रदर्शन संकेत दे रहा है कि यह युवा गेंदबाज भारतीय क्रिकेट में बड़ी पहचान बनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

ऑफ शोल्डर तिरंगा गाउन में उर्वशी रौतेला की रैंप वॉक, सुष्मिता सेन से छीनी लाइमलाइट!

ब्यूटी क्वीन उर्वशी रौतेला जो भी करती हैं, लाइमलाइट में आ ही जाती हैं। चाहे वो कान्स फिल्म फेस्टिवल हो या कोई भी इंटरनेशनल इवेंट, उर्वशी हर जगह अपने फैशन का टशन दिखाती हैं। एक बार फिर उन्होंने हुस्न का जलवा बिखेरा है। उन्होंने बीती रात मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के ग्रैंड फिनाले में जज की भूमिका निभाई। उनके साथ पैनल में सेलिना जेटली, रिया सिंघा और सुष्मिता सेन भी नजर आईं। लेकिन सबके आगे उर्वशी का फैशन हिट रहा। इंटरनेट पर उनकी तिरंगा ड्रेस वायरल हो रही है।

एक वीडियो सामने आया है जिसमें उर्वशी मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के स्टेज पर ऑफ शोल्डर तिरंगा गाउन पहनकर टशन दिखाते हुए वॉक कर रही हैं। इस आउटफिट में वो स्टनिंग लग रही हैं। ऑरेंज, व्हाइट और ग्रीन कलर के कॉम्बिनेशन से बनी ये ड्रेस कमाल की है। कमर पर अशोक चक्र को ब्लू बेल्ट के तौर पर दिखाते हुए डिजाइन किया गया है। शोल्डर पर एक तरफा की गई ड्रामेटिक डिटेलिंग ने इस गाउन को खास बनाया।

इस फ्लेयर्ड गाउन की ट्रेन को पकड़कर उर्वशी ने स्टेज पर वॉक किया। गाउन को हाईलाइट करने के लिए उर्वशी ने ज्यादा एक्सेसरीज को कैरी नहीं किया। डायमंड ईयरिंग्स और सिल्वर टोन्ड बैंगल्स के साथ लुक कंप्लीट किया। जिसने भी उर्वशी का ये लुक देखा, वो उनका दीवाना हो गया है। हाई पोनीटेल और मिनिमल मेकअप ने एक्ट्रेस के लुक में चार चांद लगाए।

उर्वशी ने मिस यूनिवर्स को तीसरी बार किया जज

उर्वशी के स्टनिंग लुक के सामने सुष्मिता सेन फीकी दिखीं। वो ऑल ब्लैक लुक में नजर आईं। हालांकि वो भी स्टनिंग और ग्रेसफुल लगीं। लेकिन पूरी लाइमलाइट उर्वशी ने लूट ली। सबसे खास बात ये है कि मिस यूनिवर्स इंडिया को उर्वशी ने तीसरी बार जज किया है। ऐसा करने वाली वो पहली महिला हैं। फैंस ने उर्वशी के लुक की तारीफ की है। एक शख्स ने कहा- उर्वशी ने सुष्मिता को बीट कर दिया है। किसी ने कहा- ये पहली एक्ट्रेस हैं जिन्होंने तिरंगा पहना है। यूजर्स ने उन्हें एलीगेंट और स्टनिंग करार दिया है। अपने आउटफिट के बारे में बोलते हुए एक्ट्रेस ने कहा- मैं जैसा कि पहले भी कह चुकी हूं, मैं इंडिया हूं। आज मुझे सचमुच इंडिया जैसा ही फील कर रही हूं। मैंने ये ड्रेस पहनी है, जैसा कि आप देख सकते हैं, ये राष्ट्रीय तिरंगे से इंस्पायर्ड है। उर्वशी ने बॉलीवुड डीवा सुष्मिता सेन को अपनी पहली गुरु बताया।

मेट्रो बाजार

भारत में अपना परिचालन मजबूत करें सुजुकी जैसी सफलता दोहराएं : गोयल

टोक्यो । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को जापानी कंपनियों से भारत में अपना परिचालन मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि वे सुजुकी जैसी सफलता को देश में दोहराये और हम भारत में काम कर रही जापानी कंपनियों में से 1,580 सुजुकी को उभरते हुए देखना चाहते हैं। जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जेसीसीआई) की जापान-भारत बिजनेस कंसल्टेटिव कमिटी (जेआईबीसीसी) और भारतीय दूतावास के साथ एक गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा कि भारत की युवा वर्कफोर्स, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और लंबे समय की विकास की महत्वाकांक्षाएं जापानी व्यवसायों के लिए बड़े अवसर प्रदान करती हैं।

गोयल ने देश में पिछले चार दशकों में सुजुकी के सफर का जिक्र करते हुए कहा, ÷आज हम भारत से कुछ सबसे बड़े और सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले ऑपरेशन होते हुए देख रहे हैं।÷ केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷हम उन 1,580 कंपनियों के लिए ऐसा ही सफर देखना चाहते हैं जिनका आप प्रतिनिधित्व करते हैं। हम चाहते हैं कि भारत से 1,580 सुजुकी जैसी कंपनियां उभरें।

गोयल ने कहा कि भारत और जापान को अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ का इस्तेमाल व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने और आने वाले दशक के लिए अपनी आर्थिक साझेदारी को आकार देने में करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत में पहले से ही बड़ी संख्या में जापानी कंपनियां काम कर रही हैं। मेरा मानना है कि इस दशक में यह संख्या मौजूदा स्तर से दोगुनी हो जानी चाहिए।

सरकार ने गेहूं के आटे, मैदा और सूजी के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाईं

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गेहूं से बने कई उत्पादों की निर्यात नीति में बदलाव करते हुए उन्हें प्रतिबंधित श्रेणी से मुक्त श्रेणी में डाल दिया है। यह जानकारी विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से सोमवार को जारी अधिसूचना में दी गई। संशोधित नीति के तहत अब गेहूं या मेस्लिन आटा, मैदा, सूजी, होलमील आटा और मिश्रित गेंहू के आटा के निर्यात की अनुमति बिना किसी प्रतिबंध के होगी।

घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए केंद्र सरकार ने 2022 में गेहूं और गेहूं से बने उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए थे। 13 मई 2022 को गेहूं की निर्यात नीति को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में कर दिया गया था। इसके बाद उसी साल अगस्त में गेहूं के आटे के निर्यात पर भी प्रतिबंध लागू कर दिए गए। यह फैसला रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक स्तर पर गेहूं की आपूर्ति में आए व्यवधान के बीच लिया गया था। इससे भारतीय गेहूं की विदेशी मांग बढ़ गई थी और घरेलू कीमतों पर भी दबाव बढ़ा था। उस दौरान सरकार ने कहा था कि देश की 1.4 अरब आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गेहूं तथा गेहूं के आटे की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए निर्यात प्रतिबंध जरूरी थे। हालांकि, प्रतिबंध के बावजूद गेहूं से बने कुछ विशेष उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई थी। इस साल फरवरी में सरकार ने बेहतर स्टॉक उपलब्धता का हवाला देते हुए 25 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं और अतिरिक्त 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी। मई में जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल खाद्यान्न उत्पादन 2025-26 में 5.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 37.6563 करोड़ टन हो गया।

अक्षय का खौफनाक अवतार देख मचा तहलका 'महाकाली' में शुक्राचार्य बनकर आए नजर

मुंबई। अक्षय खन्ना की बहुप्रतीक्षित पौराणिक फिल्म 'महाकाली' को लेकर दर्शकों का इंतजार अब और बढ़ गया है। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को इसकी पहली झलक जारी कर दी। सामने आए वीडियो में अक्षय खन्ना असुरों के गुरु शुक्राचार्य के किरदार में नजर आ रहे हैं। उनकी दमदार आवाज, चेहरे के भाव और प्रभावशाली अंदाज ने पहली ही झलक में किरदार की गंभीरता को सामने रख दिया है।

फिल्म की पहली झलक को 'शुक्राचार्य का युद्धघोष' नाम दिया गया है। करीब दो मिनट 53 सेकंड लंबे इस वीडियो में धर्म और अधर्म के बीच छिड़ने वाले बड़े संघर्ष की झलक दिखाई गई है। वीडियो में शुक्राचार्य के नेतृत्व में असुर शक्तियों और दिव्य शक्तियों के बीच टकराव का संकेत मिलता है। निर्माताओं ने कहानी को केवल अच्छाई और बुराई की सामान्य लड़ाई तक सीमित नहीं रखा है। झलक से संकेत मिलता है कि फिल्म में एक बड़े पौराणिक संघर्ष और शक्तियों के टकराव को भव्य स्तर पर पेश किया जाएगा।वीडियो का सबसे चर्चित हिस्सा अक्षय खन्ना का किरदार है। शुक्राचार्य के रूप में उनका लुक काफी प्रभावशाली दिखाई देता है। चेहरे पर गुस्सा, आंखों में आक्रामकता और संवाद बोलने का अंदाज उनके किरदार को रहस्यमयी और ताकतवर बनाता है। अक्षय खन्ना का यह अवतार सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। लंबे समय बाद अभिनेता को इस तरह के पौराणिक और नकारात्मक रंग वाले किरदार में देखने का मौका मिलेगा। झलक में फिल्म की विशाल दुनिया की भी झलक दिखाई गई है। बड़े युद्ध दृश्य, प्रभावशाली दृश्यांकन और अत्याधुनिक दृश्य प्रभाव इसे बड़े पर्दे के लिए तैयार की गई भव्य फिल्म का संकेत देते हैं।

राहुल गांधी का प्रोजेक्ट सच और झूठ...

मैं राजनीतिक और मनुस्मृति, दोनों की बात बताता हूं। राहुल गांधी सरासर झूठ बोलते हैं। हकीकत ये है। ये 'Dismantling Global Hindutva' के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं राहुल गांधी से ये पितृसत्तात्मक संस्कृति जैसा संस्कृतनिष्ठ शब्द कहाँ से आया ? पर कभी मर्दुम अजीम रवायत सुनी है? चार बीवी क्या है ? तलाक का अधिकार सिर्फ पुरुष को। चुप। हलाला से महिला पवित्र हो जाती है। चुप।

मेहरम पता है क्या होता है? हमारी सरकार आने से पहले मेहरम वो होता था कि

इस्लामी मान्यता के अनुसार घर से बाहर अगर महिला निकले तो किसी पुरुष की छत्रछाया में होना चाहिए। मेहरम हमने खत्म किया। मेहरम चुप। इस व्यक्ति की हकीकत देखो। जो कहता है हिजाब होना बहुत अच्छा है, मगर हिंदू धर्म में महिलाओं को समानता नहीं है। मैं चैलेंज करके कहता हूं, दुनिया में जितने भी धर्म और मजहब हैं, उनमें भगवान सबको कुछ न कुछ इंट्यूशन देते हैं, भगवान की कृपा होती है। ये पुरुष पर ही क्यों होती है, महिला पर क्यों नहीं? सिर्फ भारतीय संस्कृति ऐसी है, जहां वेदों में 22 ऋषिकाएं हैं अपाला, लोपामुद्रा, मैत्रेयी, संध्या।

फैक्ट... मनु स्मृति पर महात्मा गांधी, नेहरू, डा अंबेडकर ने क्या कहा और इंदिरा गांधी जी के जमाने में क्या छपा। ये आदमी अपने पिता को, दादी को, नेहरू को, गांधी जी को गलत साबित करने में लगा है। ये लोग समाज के अंदर भारत के विरुध्द वैश्विक षड्यंत्र 'Dismantling Global Hindutva', जो 2021 में अमेरिकन यूनिवर्सिटी में बना था, इसके बाद जब इन्होंने कास्ट पर लड़ाने का विषय शुरू किया, हेनरी लूसी फाउंडेशन, मार्च 2021, फिर उसके बाद 2022 !से तमिलनाडु में कॉन्फ्रेंस शुरू हुई 'Eradication of Sanatan Dharma'।

अब महिलाओं की बात आई है। अगर 4 करोड़ आवास मिले हैं प्रधानमंत्री जी के कार्यकाल में तो 3 करोड़ गरीब महिलाएं उसमें खुद मालिक बनकर बैठी हैं। 55 करोड़ जनधन अकाउंट में 60% महिलाएं हैं। ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, कैबिनेट मंत्रिमंडल में महिलाएं और एयरफोर्स व डिफेंस सर्विसेज में परमानेंट कमीशन मिला है तो हमारे जमाने में मिला है। आज तक जवाब दे दें। मैं चैलेंज करके कहता हूं राहुल गांधी कहो गांधी गलत थे, नेहरू गलत थे, डा अंबेडकर गलत थे, मेरी दादी गलत थी, सब गलत बोल रहे थे। मेरा आविर्भाव हुआ है अपने पूर्वजों व परिवार की बेइज़्ज़ती करने व भारत में अराजकता उत्पन्न करने के लिए।

-सुधांशु त्रिवेदी की सोशल मीडिया पोस्ट

सोना, शिपिंग, टेक्नोलॉजी और डिजिटल कारोबार निशाने पर

ईरान की कमाई पर अमेरिका का बिगबैन पांच आर्थिक रास्तों पर लगाया ताला

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए उसकी कमाई और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के पांच प्रमुख क्षेत्रों पर नए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। निशाने पर डिजिटल एसेट्स, टेक्नोलॉजी, सोना, एविएशन और शिपिंग सेक्टर हैं। अमेरिकी प्रशासन का उद्देश्य इन माध्यमों से ईरान की आय और वैश्विक वित्तीय पहुंच को सीमित करना है।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने इस अभियान को 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' नाम दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के सामने दुनिया से अलग-थलग पड़ने या वैश्विक अर्थव्यवस्था में सामान्य तरीके से लौटने के विकल्प हैं। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में ईरान को आर्थिक लाभ पहुंचाने वाले विदेशी कारोबारों पर भी कार्रवाई की जा सकती है।

इन सेकेंडरी प्रतिबंधों का सबसे बड़ा असर अमेरिकी डॉलर और बैंकिंग व्यवस्था तक पहुंच पर पड़ सकता है। यही कारण है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाली कंपनियों के सामने अमेरिकी बाजार और वित्तीय प्रणाली से दूरी का जोखिम बढ़ सकता है। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम अहम है, क्योंकि ईरान के साथ उसके ऊर्जा, व्यापार और चाबहार बंदरगाह से जुड़े रणनीतिक हित हैं।

अमेरिका ने ईरान के सामने रखे दो विकल्प

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट।

निशाने पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

अमेरिका ने ईरान की आर्थिक गतिविधियों के पांच अहम क्षेत्रों को निशाने पर रखा है। इनमें डिजिटल एसेट्स यानी क्रिप्टोकरेंसी जैसे माध्यम, उन्नत टेक्नोलॉजी, सोने का कारोबार, एविएशन और समुद्री शिपिंग शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि इन क्षेत्रों के जरिए ईरान अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय गतिविधियों से जुड़ा रहता है तथा राजस्व हासिल करता है। नए प्रतिबंधों का उद्देश्य इन नेटवर्क को सीमित करना और ईरान के लिए विदेशी मुद्रा व आर्थिक संसाधन जुटाना कठिन बनाना है। हालांकि प्रतिबंधों के वास्तविक प्रभाव का दायरा उनके लागू होने के तरीके और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। अमेरिका ने संकेत दिया है कि ईरान को आर्थिक लाभ पहुंचाने वाली गतिविधियों की कड़ी निगरानी की जाएगी।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के मुताबिक, 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के जरिए अमेरिका ईरान और उससे जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर दबाव बढ़ाना चाहता है। उन्होंने कहा कि ईरान के सामने एक रास्ता दुनिया से आर्थिक रूप से अलग-थलग पड़ने का है, जबकि दूसरा वैश्विक व्यवस्था के साथ सामान्य संबंधों की दिशा में आगे बढ़ने का। अमेरिकी रणनीति का लक्ष्य आर्थिक दबाव के माध्यम से ईरान की नीतियों में बदलाव लाना है। दूसरी ओर, ऐसे प्रतिबंधों का असर वैश्विक व्यापारिक साझेदारों पर भी पड़ सकता है, क्योंकि कंपनियों को अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था तक पहुंच और ईरान के साथ व्यापार के बीच जोखिम का आकलन करना होगा। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अमेरिका इन प्रतिबंधों को कितनी व्यापकता से लागू करता है।

भारत के सामने तेल से चाबहार तक कई चुनौतियां

नए अमेरिकी प्रतिबंध भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण हो सकते हैं। ईरान भारत के लिए ऊर्जा और क्षेत्रीय संपर्क के लिहाज से अहम देश है। यदि ईरान से जुड़े तेल कारोबार पर सख्ती बढ़ती है तो खरीद और भुगतान की व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। वहीं, चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम मानी जाती है। वित्तीय प्रतिबंधों के कारण ईरान से जुड़े लेन-देन में डॉलर का इस्तेमाल भी जटिल हो सकता है। भारतीय कंपनियों को अमेरिकी नियमों और संभावित जोखिमों का आकलन करना होगा। हालांकि भारत अपनी विदेश नीति और आर्थिक फैसले राष्ट्रीय हितों, ऊर्जा सुरक्षा तथा क्षेत्रीय रणनीति को ध्यान में रखकर तय करेगा।

चोंगकिंग की खतरनाक चढ़ाई बनी ड्राइविंग का बड़ा चैलेंज

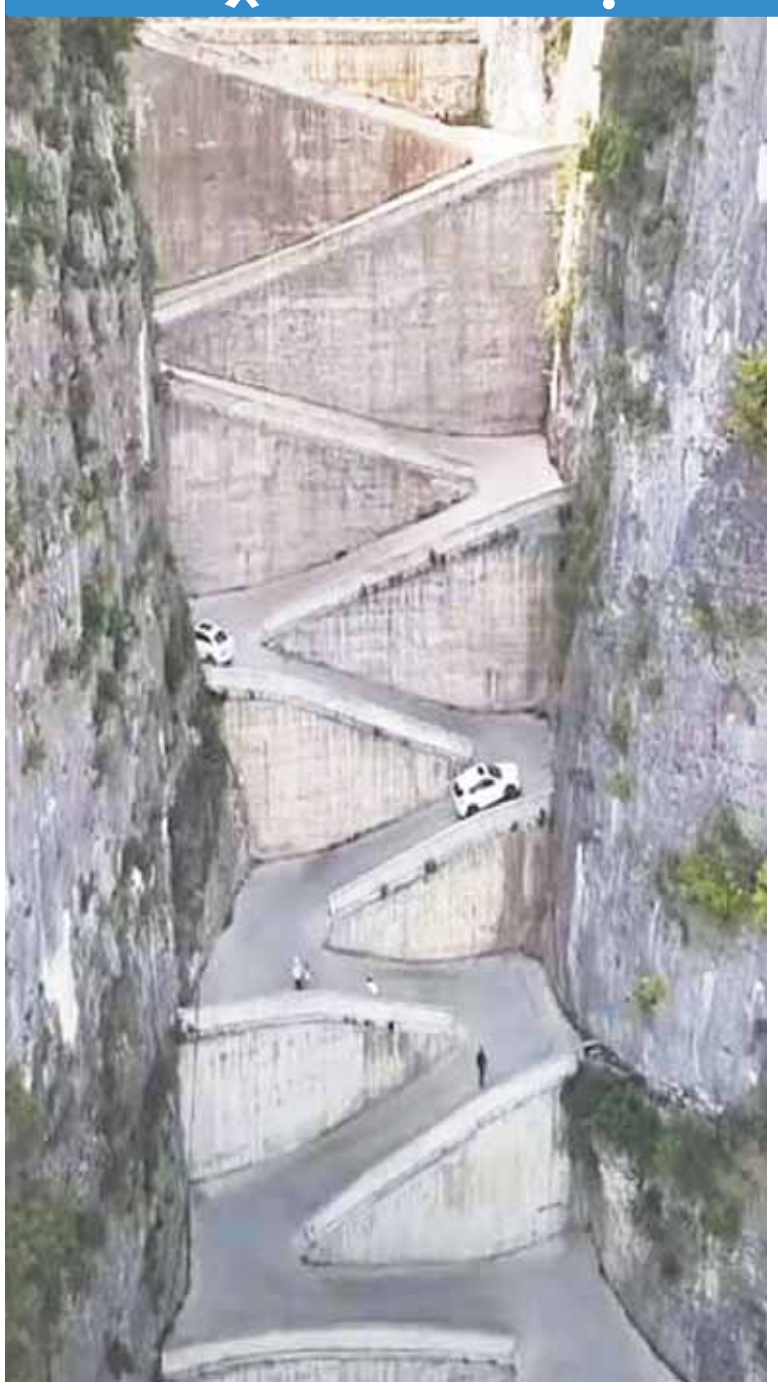

चोंगकिंग। चीन के चोंगकिंग में स्थित एक बेहद चुनौतीपूर्ण पहाड़ी सड़क इन दिनों रोमांच पसंद लोगों का ध्यान खींच रही है। तीखी चढ़ाई और कठिन मोड़ों वाली इस सड़क पर वाहन चलाना अनुभवी ड्राइवरों के लिए भी आसान नहीं है। बताया जाता है कि केवल कुशल और अनुभवी चालक ही एक प्रयास में वाहन को पहाड़ी की चोटी तक पहुंचाने में सफल हो पाते हैं। यह अनोखा ड्राइविंग चैलेंज अब साहसिक यात्राओं के शौकीनों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

सरहद यूनिवर्सिटी में पाक आर्मी के अधिकारी ने छात्रों पर चलाई गोली

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद की सरहद यूनिवर्सिटी में दिनदहाड़े आर्मी ऑफिसर ने छात्रों के प्रोटेस्ट को शांत करने के लिए उनकी डंडे से पिटाई की और यूनिवर्सिटी के अंदर सर्विस गन से फायरिंग की।

सूत्रों के मुताबिक, स्टूडेंट अफेयर्स की हेड, डॉ. आइना, प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट्स को शांत करने पहुंचीं। जब कुछ स्टूडेंट्स पीछे हटने को तैयार नहीं हुए तो उन्होंने अपने पति, जो एक आर्मी ऑफिसर हैं, उन्हें कैंपस में बुला लिया। पाकिस्तान आर्मी के ऑफिसर ने कैंपस में आकर छात्रों को डंडे से पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद ऑफिसर ने अपनी

सर्विस पिस्टल निकाली और हवा में फायर किया। इस बीच सूत्रों ने बताया कि आर्मी ऑफिसर का पिस्टल लहराते और हवा में गोलियां चलाते हुए वीडियो वायरल होने के बाद, पाकिस्तान आर्मी ने उनके खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन शुरू किया और इंटरनल जांच का ऑर्डर दिया।

45 साल पुराने डबल मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने दोषी को दी जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी

45 साल पुराने दोहरे हत्याकांड मामले में न्याय मिलने में हुई असाधारण देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर टिप्पणी करते हुए इसे 'न्यायिक व्यवस्था की विफलता' करार दिया है। अदालत ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के बीमार एकमात्र जीवित दोषी की सजा पर रोक लगाते हुए उसे जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि वर्ष 1981 में हुई घटना के मामले में निचली अदालत को सुनवाई पूरी कर फैसला देने में 22 साल लग गए, जबकि झारखंड हाई कोर्ट को दोषसिद्धि के खिलाफ अपील का निपटारा करने में भी 22 साल लग गए। इस दौरान छह आरोपियों में से पांच की मौत हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोहरे हत्याकांड जैसे गंभीर अपराध के बावजूद आरोपी द्वारा दशकों तक झेली गई कानूनी प्रक्रिया और उसकी मौजूदा चिकित्सा स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने मामले में इतनी लंबी देरी के कारणों की जांच करने का भी फैसला किया है। हाई कोर्ट की ओर से देरी का एक कारण कुछ आरोपियों का वर्षों तक फरार रहना बताया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आरोप तय होने के बाद भी ट्रायल पूरा होने में लगे लंबे समय पर सवाल उठाए।

BRICS समिट : भारत आ सकते हैं शी जिनपिंग, 400 लोगों का होगा दल

बीजिंग, एजेंसी

अगले महीने दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स (बीआरआईसीएस) शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आ सकते हैं। उनके साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी होगा। यह सात वर्षों में उनकी पहली यात्रा होगी और दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच संबंधों में सुधार का एक नया संकेत भी होगा।

भारत 12 और 13 सितंबर को होने वाले शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस सम्मेलन में ब्रिक्स के एजेंडे से ज्यादा इस बात पर नजर रहेगी कि यह बीजिंग और नई दिल्ली के बीच 2020 में हुई सीमा झड़पों के बाद रिश्तों को

स्थिर करने की कोशिशों के बारे में क्या संकेत देता है। मामले की सीधी जानकारी रखने वाले एक भारतीय सूत्र ने रॉयटर्स को बताया, 'चीनी अधिकारी होटलों और सुरक्षा प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं।' पिछले साल भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सात साल में पहली बार चीन का दौरा किया था। दोनों देशों के रिश्ते धीरे-धीरे बेहतर भी हुए हैं। हालांकि हाल ही में सीमा से जुड़े एक नए विवाद के कारण दोनों पक्षों के बीच तीखी राजनयिक बयानबाजी सुनने को मिली।

400 अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल होगा साथ

दो अन्य भारतीय सूत्रों ने बताया कि शी के साथ लगभग 400 अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल हो सकता है, जबकि 2019 में पिछली बार उनके साथ 200 से भी कम अधिकारी थे। सूत्रों ने बताया कि दोनों देशों के अधिकारी इस शिखर सम्मेलन का इस्तेमाल आपसी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के साथ-साथ सीमा और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े पुराने मतभेदों को संभालने के लिए कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं मोइत्रा, सर्किट हाउस से निकालने का लगाया आरोप

नई दिल्ली. एजेंसी। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल के नादिया जिले में प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें सर्किट हाउस से बाहर निकाल दिया, जबकि उन्हें राज्य सरकार की इस प्रापर्टी में कमरा अलॉट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मोइत्रा के वकील ने चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जायमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच को बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र कृष्णानगर में यह घटना देर रात हुई। वकील ने कहा, 'इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मेट्रो एंकर शिक्षकों ने नियम, साइबर सुरक्षा और डाटा प्राइवेसी को बताया जरूरी

एआई पढ़ाने को 91% शिक्षक तैयार, लेकिन सिर्फ 13% स्कूलों में पूरी तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को शामिल करने की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन संस्थानों की तैयारी अभी काफी पीछे है। क्यूएस आई-गेज की नई रिपोर्ट के मुताबिक देश के 91 प्रतिशत शिक्षक चाहते हैं कि छात्रों को स्कूल शिक्षा के हर स्तर पर एआई की जानकारी दी जाए। इसके बावजूद केवल 13 प्रतिशत स्कूल ही एआई आधारित शिक्षा लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रिपोर्ट में 88 प्रतिशत शिक्षकों ने माना कि उनके संस्थान का नेतृत्व भविष्य के लिए तैयार शिक्षा व्यवस्था में एआई को जरूरी मानता है। वहीं, 86 प्रतिशत शिक्षक व्यवस्थित प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर, 25 प्रतिशत स्कूल एआई लागू करने के चरण में हैं और इतने ही अभी खोज के स्तर पर हैं। 15 प्रतिशत में जागरूकता, 14 प्रतिशत में आंशिक क्रियान्वयन और 5 प्रतिशत में पायलट चरण चल रहा है। शिक्षकों के लिए सबसे बड़ी जरूरत एआई के इस्तेमाल को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देशों की है। 91 प्रतिशत ने छात्रों के एआई उपयोग के लिए तय नियमों की मांग की। साइबर सुरक्षा, अकादमिक ईमानदारी और शिक्षकों के लिए उपयोग प्रोटोकॉल भी प्रमुख चिंताएं हैं। अभिभावकों की ओर से डाटा प्राइवेसी और एआई पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर चिंता जताई गई।

उच्च शिक्षा में भी एआई को लेकर उम्मीद और आशंका दोनों हैं। 83 प्रतिशत फैकल्टी ने प्रशासनिक काम में सुधार की संभावना जताई, जबकि 78 प्रतिशत को डर है कि अत्यधिक निर्भरता छात्रों की स्वतंत्र सोच और समस्या सुलझाने की क्षमता प्रभावित कर सकती है। रिपोर्ट में स्कूल और उच्च शिक्षा संस्थानों के हजारों शिक्षकों एवं फैकल्टी की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं।

नियमों से लेकर स्वतंत्र सोच तक, कई चिंताएं

एआई को शिक्षा में शामिल करने के साथ इससे जुड़े जोखिम भी शिक्षकों के लिए बड़ी चिंता बने हुए हैं। 91 प्रतिशत शिक्षकों ने छात्रों के एआई इस्तेमाल के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों की जरूरत बताई। साइबर सुरक्षा, अकादमिक ईमानदारी और शिक्षकों के लिए उपयोग प्रोटोकॉल को भी प्राथमिकता दी गई। 77 प्रतिशत शिक्षकों ने डाटा प्राइवेसी और एआई पर सोचने-समझने की क्षमता के लिए अत्यधिक निर्भरता को प्रमुख चिंता माना। 76 प्रतिशत ने बढ़ते स्क्रीन टाइम पर चिंता जताई। उच्च शिक्षा में 83 प्रतिशत फैकल्टी ने एआई से प्रशासनिक काम बेहतर होने की उम्मीद जताई, जबकि 76 प्रतिशत ने सीखने और अकादमिक प्रदर्शन में सुधार की संभावना बताई। इसके बावजूद 78 प्रतिशत को स्वतंत्र सोच और समस्या समाधान क्षमता कमजोर होने का डर है।

ऑनलाइन बेचा जा रहा था धतूरा अमेजन, स्विगी का लाइसेंस रद्द

बेंगलुरू, एजेंसी

कर्नाटक के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ एक कड़ा कदम उठाया है। विभाग ने अमेजन, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट के फूड लाइसेंस अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए हैं। इन कंपनियों पर अपने प्लेटफॉर्म के जरिए जहरीले धतूरे के फल और बीज मानव उपभोग के लिए बेचने का गंभीर आरोप है।

अधिकारियों को शिकायत मिली थी कि कुछ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर धतूरे के फल और बीज धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं। जांच के दौरान यह बात सच पाई गई कि ये जहरीले उत्पाद ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध थे। जांच के बाद जब कंपनियों के प्रतिनिधियों को तलब किया गया, तब अमेजन ने इस मामले में कोई जवाब ही नहीं दिया। स्विगी इंस्टामार्ट ने कार्रवाई को लेकर दस्तावेज जमा करने के लिए कुछ और समय की मांग की। वहीं बिगबास्केट ने सफाई दी कि उन्होंने इन फलों की ऑनलाइन बिक्री रोक दी है और भविष्य में इसके लेबल पर साफ तौर पर 'मानव उपभोग के लिए नहीं' लिखवाएंगे। विभाग का कहना है कि धतूरे जैसे जहरीले उत्पादों को खाद्य पदार्थ के रूप में स्टोर करना, बेचना पूरी तरह से गैरकानूनी और अस्वीकार्य है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524